www.vibhorvarta.com

R.N.I.No. UTTHIN/2009/29251

E-mail: vibhor.trikha@gmail.com

दैनिक

विभोर वार्ता

''मिथ्या से दूर सत्य के पास''

हरिद्वार

वीरवार, 26 जून 2025

(बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2073)

वर्षः 17 अंकः 231

पृष्ठः 8 मूल्यः1 रूपये

ऊधमसिंहनगर ■ देहरादून ■ हरिद्वार ■ चंडीगढ़ ■ मेरठ से एक साथ प्रकाशित

आपातकाल के 50 सालः पीएम मोदी बोले-लोकतंत्र को कुचला गया, संविधान की हुई हत्या

दिल्ली(ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में आपातकाल लागू होने की 50वीं बरसी पर उस दौर को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला अध्याय करार दिया। एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, "आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में याद किया जाता है।"

पीएम मोदी ने लिखा कि उस समय मौलिक अधिकारों को निर्लंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता छीनी गई और हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाला गया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर लोकतंत्र को बंधक बनाने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री ने आपातकाल का विरोध करने वालों को सलाम करते हुए कहा

(शेष पृष्ठ सात पर...)

महिलाओं की होने वाली है बल्ले बल्ले!

देहरादून(ब्यूरो)। एक और मील का पत्थर धामी सरकार रखने जा रही है क्योंकि उत्तराखंड महिला नीति का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। देश के पांच राज्यों को महिला कल्याण की योजनाओं पर प्रस्तुति का मौका मिला, जिसमें राज्य महिला नीति के आधार पर उत्तराखंड ने भी महिलाओं के सर्वांगीण विकास की रूपरेखा पेश की।अब महिला सशक्तीकरण का दारोमदार सिर्फ एक विभाग या एक आयोग के ऊपर नहीं होगा, इसके लिए राज्य के करीब 57 विभाग मिलकर काम करेंगे। इसके लिए विशेष तौर पर राज्य महिला नीति तैयार की गई है। इसके लागू होने के बाद उत्तराखंड महिलाओं के समग्र विकास का अवसर देने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

इस नीति का मुख्य उद्देश्य सभी सरकारी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर महिला कल्याण के कार्यों को गति

(शेष पृष्ठ सात पर...)

राज्यपाल का दो दिवसीय दौरे पर पंतनगर पहुंचे

देहरादून(राजभवन कार्यालय)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) अपने दो दिवसीय जनपद भ्रमण पर पंतनगर कृषि एवं प्रौद्यौगिक विश्वविद्यालय पहुंचे। जी बी पंत विश्वविद्यालय पहुंचकर राज्यपाल ने विश्विद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. ध्यान पाल सिंह की मूर्ति का अनावरण किया व डॉ. ध्यान पाल सिंह पार्क का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने कहा कि आज बहुत ही खुशी व सौभाग्य का दिन है कि जी बी पंत विश्वविद्यालय के पूरे परिवार ने अपने पूर्व कुलपति की मूर्ति स्थापना कर उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि पदमश्री डॉ. ध्यान पाल सिंह ने यहां पर जो हरित क्रांति का बिगुल बजाया था आज भी उन्हें याद किया जाता है। उन्होंने कहा वे हमारे प्रेरणा श्रोत है वे आई. ए. एस. थे तथा इस विश्वविद्यालय के तीसरे कुलपति थे उन्होंने उस समय जो हरित क्रांति लाई वह भारतीय कृषि के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।

पंत नगर एयरपोर्ट पहुंचने पर कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने राज्यपाल का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, एडीएम कौस्तुभ मिश्रा, शोध निदेशक डॉ अजीत सिंह नयन सहित विश्विद्यालय के प्रोफेसर ,डीन , डॉयरेक्टर आदि उपस्थित थे।

असहाय बालिकाओं का भविष्य संवारता, जिला प्रशासन का प्रोजेक्ट ''नंदा-सुनंदा''

देहरादून। (सू.वि.) जिलाधिकारी सविन बंसल ने अपनी टीम के साथ आज कलैक्ट्रेट परिसर में प्रोजेक्ट ''नंदा सुनंदा'' के अन्तर्गत 05 बालिकाओं की शिक्षा पुनर्जीवित रखने हेतु 165800 रू0 मात्र के चौक वितरित किए गए है। प्रोजेक्ट ''नंदा-सुनंदा'' से अब तक जिले में लगभग 14 लाख रू0 से 38 बालिकाओं की शिक्षा को पुनर्जीवित किया गया है।

जिलाधिकारी ने कहा कि इतने कम समय में सभी औपचारिकताएं पूर्ण करते महीने के भीतर सभी आवदेन प्रस्तुत कर

पात्र बालिकाओं को चुनना तथा योजनाओं से लाभान्वित कराने हेतु अपनी कोर टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। जिलाधिकारी ने कहा बालिकाएं अपनी पढाई की ज्वाला को कायम रखे प्रशासन उनकी शिक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगा। उन्होंने बालिकाओं से अपेक्षा करते हुए कहा कि वे पढाई में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करें तथा अपने माता-पिता जिले एवं राज्य का नाम रोशन करें। जिलाधिकारी अपने विभिन्न सोर्स से धन का प्रबन्ध कर निर्धन असहाय बालिकाओं की शिक्षा को पुनर्जीवित कर रहे हैं। इस प्राजेक्ट से जहां निर्धन बालिकाओं को शिक्षा से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने तथा बेटियों के प्रति समाज का नजरिया बदलने

(शेष पृष्ठ सात पर...)

मुख्यमंत्री ने मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में राज्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया

सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क व संचार सुविधाओं के विस्तार किया जाना जरूरी : सीएम

देहरादून(सूवि)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को वाराणसी में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में प्रतिभाग किया। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं मंत्रीगण उपस्थित थे।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से लगा उत्तराखण्ड राज्य सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके दृष्टिगत राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार, सुरक्षा एवं रसद आपूर्ति की समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री से आग्रह किया कि सीमा सड़क संगठन के माध्यम से उत्तराखण्ड को और अधिक सहायता प्रदान की जाए। वाईब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के सीमावर्ती गाँवों में सुविधाओं का विकास किया जाए जिससे वहां हो रहे पलायन को रोकने में सहायता मिल सके। उन्होंने सीमांत क्षेत्रों में संचार सुविधाओं के विकास के लिए भारत नेट योजना, 4-जी विस्तार परियोजना तथा उपग्रह आधारित संचार सेवाएं प्रारंभ करने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने बैठक में उत्तराखंड राज्य के हित में केंद्र सरकार से कुछ नीतिगत प्रावधानों में शिथिलता प्रदान करने का

(शेष पृष्ठ सात पर...)

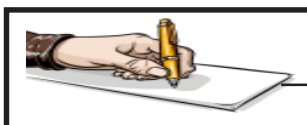

सुखद संघर्ष विराम

रूस, चीन, पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक की मांग की थी। उन्होंने 'बिना शर्त युद्धविराम' का प्रस्ताव भी पेश किया। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर और अमरीका के एकतरफा, विनाशक हमले के संदर्भ में उन देशों ने नागरिकों की सुरक्षा, यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अक्षरश: पालन किए जाने के प्रति अपने सरोकार और चिंताएं व्यक्त की थीं। पाकिस्तान इनमें फर्जी और चालबाज देश है, क्योंकि वह ईरान के साथ 'डबल गेम' खेल रहा है। उसने अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है, लेकिन दूसरी तरफ ईरान को 'मुस्लिम भाईचारा' भी दिखाना है। बहरहाल ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को व्यावहारिक तौर पर 'खोखली' और 'दंतहीन' एजेंसी करार दिया है और न्याय, शांति मांगने उसी के दरबार में हाजिरी लगाई गई। बैठक के दौरान कूटनीति और आपसी संवाद के खूब बयान दिए गए और अमरीका, इजरायल को आरोपित किया गया कि वे सिर्फ हथियार और हत्याओं की भाषा ही जानते हैं। सुरक्षा परिषद को 'अमरीका की कठपुतली' तक करार दिया गया। फिर सुरक्षा परिषद में शांति, स्थिरता, युद्धविराम के प्रस्ताव कैसे पारित हो सकते थे? अमरीका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर जो हमले किए, परमाणु कार्यक्रमों में जो विध्वंसक विस्फोट हुए होंगे, उनके मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की आपात बैठक बुलाई थी। यह एजेंसी भी संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध है और 1957 से कार्यरत है। बैठक के इतर ईरान ने सवाल उठाए कि उसके परमाणु उपक्रम आईएईए की निगरानी में थे, फिर अमरीका हमला करने में कामयाब कैसे हो गया? ईरान में मांग उठी है कि आईएईए के साथ सहयोग को 'सस्पेंड' कर दिया जाना चाहिए। इसी तरह ईरान 'परमाणु अप्रसार संधि' (एनपीटी) से भी अलग होना चाहता है।

इजरायल पर एनपीटी और आईएईए की कोई बाध्यता नहीं है और न ही वह 'हस्ताक्षरी देश' है, लिहाजा उसकी परमाणु गतिविधियों और सुविधाओं पर संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध किसी भी अंतरराष्ट्रीय संस्था का न तो कोई अंकुश है और न ही कोई निगरानी है। इजरायल परमाणु शक्ति सम्पन्न देश है और उसके पास 90 परमाणु बम बताए जाते रहे हैं। बहरहाल ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमरीका और इजरायल ने पहली बार हमले नहीं किए हैं। करीब 15 साल पहले उन्होंने 'नतांज' परमाणु ठिकाने पर अत्यंत परिष्कृत साइबर हथियारों से हमला किया था। तब ईरान के करीब 20 फीसदी, करीब 5000 सेंट्रीफ्यूज, विस्फोट में 'मिट्टी-मलबा' कर दिए गए थे, लेकिन ईरान ने उन्हें न केवल दोबारा बना लिया, बल्कि अधिक परिष्कृत उपकरण भी स्थापित किए। अमरीकी हमले से पहले, इसी माह, ईरान के पास करीब 19,000 सेंट्रीफ्यूज ऑपरेशनल थे। यानी ईरान परमाणु बम बनाने की प्रक्रिया में है। ये किसी के आरोप नहीं हैं, बल्कि आईएईए ने इन प्रक्रियाओं की पुष्टि की है। आईएईए ने कहा है कि अमरीकी हमले में नतांज और इस्फहान के अलावा फोर्डो के भूमिगत परमाणु कार्यक्रमों को भी 'महत्वपूर्ण नुकसान' पहुंचा है। यूरेनियम संवर्धन संयंत्रों को कितना नुकसान पहुंचा है या वे बिल्कुल ही तबाह हो गए हैं, यह अभी नहीं कहा जा सकता। हमारे निरीक्षक वहां तक जाएंगे और निरीक्षण के बाद रपट देंगे कि हकीकत क्या है? विकिरण हो रहा है अथवा नहीं? इनके अलावा ईरान के पास जो 4400 किलो सवंर्धित यूरेनियम है, उसकी स्थिति क्या है, निरीक्षण के बाद ही तय हो सकेगी। इस्फहान परमाणु प्रौद्योगिकी एवं शोध केंद्र में तीन रिएक्टर काम कर रहे हैं।

यह आधुनिकता मानव को कहां जाकर छोड़ेगी?

आधुनिक दुनिया के कर्ताधर्ताओं को भी पता है कि उन्होंने विश्व में मनुष्य की जीवन-स्थितियां ऐसी बना दी हैं कि सिवाय तरह-तरह की और विचित्र परेशानियों के कुछ भी अच्छा महसूस करने या जीने के लिए नहीं बचा है। और इसीलिए अब वे पृथ्वी के अलावा दूसरे ग्रहों पर जीवन की खोज करवा रहे हैं। उन्हें पूरा यकीन है कि उनके द्वारा पृथ्वी पर फैलाया गया किस्म-किस्म का जंजाल एक दिन उनकी अमीरी, प्रभाव और सभी तरह की हैसियत को मिट्टी में मिला देगा।

अनिश्चित समय के लिए पृथ्वी पर उपस्थित मनुष्यों को वास्तव में कौन, कैसे, किस दिशा में और किस उद्देश्य से या फिर निरुद्देश्य होकर चलाता है? यह प्रश्न इसलिए हमारे मन-मस्तिष्क में अवश्य उभरना चाहिए क्योंकि चलाने वाले और चलने वाले दोनों ही तरह के मनुष्य जब एक अल्प सीमित समय के लिए जीवन व दुनिया में विद्यमान हैं तो फिर उद्योगों, उत्पादन, परिवहन, सूचना संग्रहण व प्रसारण, ऊर्जा उत्खनन, उत्पादन, संग्रहण व उपयोगीकरण और अन्य अनेक आधुनिक गतिविधियों का चालन-परिचालन क्या वास्तव में मनुष्य कल्याण के ध्येय से हो रहा है अथवा इसमें सबसे पहले व्यापारियों व पूंजीपतियों तथा फिर राजनेताओं व शासकीय अधिकारियों की निज प्रतिष्ठा, ख्याति, मान-सम्मान और चहुंदिश जीवन सुरक्षा के स्वार्थ ही निहित हैं? आधुनिक प्रगति के रिकार्डों को एकत्र करने वालों को इस संबंध में यह जिज्ञासा भी प्रकट करनी चाहिए कि क्या अनिश्चित, स्वप्निल व मृत्युमुखी मनुष्य जीवन की आवश्यकताएं रोटी, वस्त्र और छत से अधिक होते रहने के कारण दुनिया में मनुष्य जीवन के लिए प्रतिदिन ही प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न नहीं होती रहीं अथवा नहीं हो रहीं? विज्ञान, प्रगति, उन्नति, आधुनिकता के आधार पर एडवांस व मॉडर्न लाइफ जीने की महत्त्वाकांक्षाओं ने मनुष्य को इंटेलिजेंट नहीं बनाया है, बल्कि इससे उसकी मूर्खता में वृद्धि हुई है और इसीलिए वो ये बात भूलकर आधुनिक दुनिया के मेलों, चीजों और सेवाओं-सुविधाओं में मस्त हो गया है कि एक दिन उसके जीवन का भौतिक आधार उसका शरीर ऊर्जाहीन व निष्प्राण होकर खत्म हो जाएगा और उसकी अनुपस्थिति में ये पूरी दुनिया, उसके नाते-रिश्तेदार, सगे-संबंधी व स्वजन भी नया दिन निकलते ही अपने-अपने खटकर्मों में लग जाएंगे और उसे फिर कभी भी याद नहीं करेंगे।

मैं आज तक ये नहीं समझ पाया कि आखिर में जब आधुनिक तरक्की की बुलंदियों पर पहुंचा इनसान भी अपनी तरक्की की ताकत से अपनी उम्र बढ़ाने में कामयाब नहीं हो पाता है, तो फिर तरक्की या तरक्की की बुलंदी के क्या खास मायने हैं। ये समझने की कोशिश भी कर रहा हूं कि जब खूब रुपया-पैसा कमाने वाले अमीर लोग और उनके खास रिश्तेदार भी बीमारियों से घिरे रहते हैं और लाख चाहकर भी मनमानी खुशहाल जिंदगी नहीं जी पाते हैं, तो फिर आधुनिकता के भ्रम में फंसकर सबसे बड़े आधुनिक भ्रमी होकर भी अमीरजादों का क्या फायदा। जब हर पैदा होने वाले जीव ने आज या कल, जल्दी या देर से मरना ही मरना है तो फिर आधुनिकता की चक्की में पिसते हुए तरक्की व कामयाबी की धूल-धूसर क्यों बनना। यही बातें आज से चालीस-पचास साल पहले हमारे दादा-दादी हमारे माता-पिता को और सौ-दो सौ साल पहले हमारे परदादा-परदादी हमारे दादा-दादी को बताया करते थे।

यही बातें आज भी हम अपने बच्चों को बता रहे हैं, पर आधुनिकता की तेज रफ्तार में भागते हुए उन्हें हमारी ये बातें पूरी तरह बेकार लग रही हैं। बस यही वो नस है जो आधुनिकता का नेतृत्व करने वालों ने पकड़ी हुई है और वे बार-बार इसे दबाकर अपने हितों, स्वार्थों, अहंकारों, फायदों, मंशाओं और निरर्थक महत्त्वाकांक्षाओं की पूर्ति करने में लगे हुए हैं। वैसे पूर्वनिर्धारित लक्ष्य उनका भी नहीं है। उनके पास भी आधुनिकता का कोई निश्चित अथवा अंतिम उद्देश्य नहीं है। जैसे सार्वजनिक स्थानों और सडकों पर आधुनिक होने-बनने के लिए लोगों की भीड़ बुरी तरह बेचैन है, ठीक उसी तरह आधुनिकता के कर्ताधर्ता भी बेचैनी की बीमारी के सताए हुए हैं। इन्हें चौन ही तब आता है जब ये बेचैनियों की एक यात्रा पूरी करते हैं। मतलब जब तक ये वैज्ञानिकों की मदद से लोगों की भीड़ को देने के लिए कोई एक नया यंत्र या नई आधुनिक सेवा अथवा वस्तु उपलब्ध नहीं करा देते हैं, तब तक इनके पेट में आधुनिकता के सर्वेसर्वा होने का दंभ भंवर की तरह घूमता-डोलता रहता है। आज दुनिया का रंग-रूप केवल और केवल रुपए-पैसे के रंग से रंगा हुआ है।

अब केवल अर्थव्यवस्था की बातें होती हैं। अब केवल आयात-निर्यात, बिक्री-खरीद, नकद-उधार, बैंक-बीमा, जमा-खर्च, फायदा-नुकसान, लाभ-हानि की बातें होती हैं। ऊर्जा की बात पर पेट्रोल, डीजल, परमाणु, नाभिकीय, सौर, पवन इत्यादि ऊर्जा की बात होती है। आने-जाने की बात होती है तो हाईवे, एक्सप्रेस वे, फोर लेन, टू लेन, सिक्स लेन रोड की बात होती है। वाहनों की बात पर सैकड़ों वाहनों की बात होती है। आधुनिकता के प्रतीकों जैसे एयर वेज, रेलवेज, रोडवेज, होटल, टूरिज्म, एआई, एसबीआई, एफडीआई, इंटरनेट, कंप्यूटर, क्वांटम, टेक्नोलोजी, स्पेक्ट्रम, इंफोर्मेशन, मॉडर्न हथियारों की बातें होती हैं। अब प्रेम, दया, परोपकार, कल्याण, करुणा, दोस्त, दोस्ती, परिवार, माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी, शिशुओं-बच्चों, संबंधियों, पास-पड़ोस, दुनिया-समाज में मानवता-दयालुता, पेड़-पौधों, वन-वनस्पतियों, धरती-आकाश, हवा-पानी, सूर्य, सूर्यप्रकाश, सूर्यकिरणों, चंद्रमा-सितारों, पर्वतों-पठारों, नदियों-जलाशयों, समुद्र-क्षितिज, परंपराओं, त्योहारों, उत्सवों, मौसम, ऋतुओं, वर्षा, बरसात, खेतीबाड़ी, कृषि, प्राकृतिक खेती, प्राकृतिक उपज, पैदावार, अन्न, खाद्यान्न, शुद्ध जल, पेयपदार्थों, साहित्य, कविता, कहानी, उपन्यास, चौन, शांति, सुख, आनंद, धैर्य, संतोष, सादगी, शील, वीरता, त्याग, तप, तपस्या, योग, साधना, अध्यात्म, जीवनदर्शन इत्यादि जीवन के वास्तविक पहलुओं की बातें नहीं होतीं।

आपातकाल : लोकतंत्र का काला अध्याय

जरा सोचकर देखें कि आप किसी सरकारी कार्यालय में गए हैं और आपने आपातकाल की कोई चर्चा भी कर डाली तो रात होने से पहले आप जेल की सलाखों के पीछे पहुंच जाएंगे, ये थी तानाशाही की पराकाष्ठा। मेरी आयु 19 वर्ष की थी। प्रेस पर प्रतिबंध लगने के कारण हमने निर्णय लिया साईकलो स्टाईल मशीन द्वारा अखबार छापने का। बहुत बड़ा खतरा मोल लेते हुए तीन महीने तक अखबार का एक पन्ना प्रतिदिन छापते थे और विश्वविद्यालय में रातों-रात फैंक कर आ जाते थे। पुलिस लगातार पीछे थी, तीन महीने तक ये पर्चे छपे। अंततोगत्वा पुलिस ने हमें धर दबोचा, जमकर कुटाई हुई और एक झूठा मुकदमा बनाया गया।

बड़ी संख्या में लोगों ने जो माना, मेरे अनुसार वह यह है, ''आपातकाल भारत के संविधान को ध्वस्त करके लोकतंत्र को समाप्त करते हुए तानाशाही लागू करने का गहरा षड्यंत्र था।'' 25 जून, 1975 आजाद भारत का वह मनहूस दिन है जिस दिन तात्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपनी गद्दी को बचाने के लिए देश में आपातकाल ठोक दिया। पूरे देश को जेल की काल कोठरी के रूप में तबदील कर दिया, अखबारों पर, मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। बोलने की स्वतंत्रता व संविधान में दिए गए सभी अधिकारों को समाप्त करते हुए सत्ता का केन्द्रीयकरण प्रधानमंत्री के हाथ में कर दिया और देश में तानाशाही लागू हो गई। जरा कल्पना करें कि आजाद भारत में जब पुलिस की गाड़ी आती है, एक एम्बुलेंस आती है और राह चलते किसी भी पुरुष या महिला को अस्पताल ले जाकर उसकी नसबंदी अथवा नलबंदी कर दी जाती है। जरा सोचें कि गांव के चौराहे पर पुलिस की गाडियां आती हैं, बस लगाई जाती है और जितने भी जवान, बुजुर्ग, महिला, पुरुष वहां दिखते हैं, सबको बसों में भरा जाता है और नसबंदी के कैम्प में ले जाकर सबकी नसबंदी अथवा नलबंदी कर दी जाती है। इससे भी बढकर जरा सोचकर देखें कि नव विवाहित पुरुष अथवा नव विवाहिता की नसबंदी अथवा नलबंदी की जा रही है तो आपको ध्यान में आएगा कि यह कोई कहानी नहीं है बल्कि आपातकाल में श्रीमती इंदिरा गांधी के राज में यह हर गांव, हर घर की कहानी बन गई थी और पुलिस की गाड़ी गांव में आते ही देखकर लोग खेतों में, पहाड़ों में, जंगलों में भाग जाया करते थे कि कहीं उनका ऑपरेशन न हो जाए।इस प्रकार की दहशत, इस प्रकार का अमानवीय कृत्य, ये आजाद भारत में 19 महीने तक हुआ। जरा सोचकर देखें कि आप किसी सरकारी कार्यालय में गए हैं और आपने आपातकाल की कोई चर्चा भी कर डाली तो रात होने से पहले आप जेल की सलाखों के पीछे पहुंच जाएंगे, ये थी तानाशाही की पराकाष्ठा। मेरी आयु 19 वर्ष की थी। प्रेस पर प्रतिबंध लगने के कारण हमने निर्णय लिया साईकलो स्टाईल मशीन द्वारा अखबार छापने का। बहुत बड़ा खतरा मोल लेते हुए तीन महीने तक अखबार का एक पन्ना प्रतिदिन छापते थे और विश्वविद्यालय में रातों-रात फैंक कर आ जाते थे। पुलिस लगातार पीछे थी, तीन महीने तक ये पर्चे छपे। अंततोगत्वा पुलिस ने हमें धर दबोचा, जमकर कुटाई हुई और एक झूठा मुकदमा बनाया गया कि हम विश्वविद्यालय को बम से उड़ाने का षड्यंत्र कर रहे थे और डिफेंस इंडिया रूल (डीआईआर) लगाकर साढ़े चार महीने करनाल जेल में डाल दिया, ये था तानाशाही का आलम। जो कांग्रेस पार्टी आज संविधान के रक्षक बनने का ढोंग रच रही है, उसने आजाद भारत में संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए 24 जून की अर्द्धरात्रि में राष्ट्रपति महोदय के दस्तखत करवाकर आपातकाल लगा दिया और लाखों लोगों को एक ही रात में जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया। ये इमरजेंसी कोई समाज कल्याण के लिए नहीं लगी थी, केवल कांग्रेस की सरकार बनी रहे, बची रहे, इसलिए लगाई गई थी।

श्रीमती इंदिरा गांधी के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फैसला देते हुए उन्हें प्रधानमंत्री के पद से अपदस्थ होने के आदेश दिए थे, लेकिन श्रीमती इंदिरा गांधी ने उन आदेशों को जूते की नोक पर रखते हुए देश में आपातकाल लगा दिया और सर्वशक्तिमान बन बैठी। श्रीमती इंदिरा गांधी ने उद्घोष करवाया 'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा', अर्थात भारत केवल इंदिरा गांधी से है। हिटलर से भी बड़ी घोषणा कांग्रेस की नेता श्रीमती इंदिरा गांधी ने की। ''100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली''- यह कहावत कांग्रेस पार्टी और इंदिरा परिवार पर चरितार्थ होती है, जिन्होंने अपनी सत्ता को बनाए रखने के लिए, वोटों को प्राप्त करने के लिए लगभग 88 बार संविधान में परिवर्तन किए और आज उस संविधान को बचाने का नाटक करके जनता के वोट बटोरने में लगे हुए हैं। ''गरीबी हटाओ'' का नारा लगाने वाली कांग्रेस ने वोट तो लिए, पर गरीबी के प्रति चिंता नहीं की, मंगल सूत्र का नारा लगाकर वोट तो लिए परंतु महिलाओं के उत्थान व कल्याण के नाम पर नारे ही लगाए।

मौसम विभाग को भी धोखा दे रहे बदरा, कभी येलो तो कभी रेड अलर्ट के अनुमान हो रहे फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम पर नजर रखने वाले जानकारों को भी बदरा धोखा दे रहे हैं। हालात ये हैं कि कई बार अलर्ट जारी होता है पर बारिश नहीं होती। ये अनुमान कई बार फेल हुए हैं। मौसम विभाग के लिए मई और जून में मौसम का आकलन करना काफी जटिल हो रहा है। मौसम विभाग की पूर्वानुमान सटीकता भी इन दो महीनों में सबसे कम रहती है। 2025 में भी मई की पूर्वानुमान सटीकता महज 81 प्रतिशत रही। यह छह सालों में सबसे कम है। जून में भी इस साल पूर्वानुमान कई बार अच्छा नहीं रहा। तीन दिन पहले रेड अलर्ट जारी किया था जिसे बाद में वापस लेना पड़ा। मानसून भी 22 जून तक पहुंचने का पूर्वानुमान किया गया था, लेकिन लोग बीते चार दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

मई में भी कई मौकों पर आंधी का पूर्वानुमान करने में मौसम विभाग विफल रहा। वहीं जून में भी कई बार बारिश का पूर्वानुमान किया गया, लेकिन बारिश चकमा दे गई। या फिर बिना पूर्वानुमान के बारिश आ गई। बारिश शुरू होने के बाद रेड अलर्ट जारी किया गया। आईएमडी के अनुसार, पूरे साल की बात करें तो मई तक इस साल का एक्यूरेसी रेट बीते साल की तुलना में थोड़ा सा सुधरा है। जनवरी से मई 2025 तक यह 92 प्रतिशत रहा है। 2024 में मई तक की पूर्वानुमान सटीकता 91 प्रतिशत थी। इसमें भी प्री मॉनसून सीजन की सटीकता मई तक महज 88 प्रतिशत रही है। प्री मॉनसून सीजन मार्च से मई तक रहता है। यह छह सालों में सबसे कम है।

आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि दूर दराज में बन रहे सिस्टम के अलावा छोटे स्तर पर होने वाली गतिविधियां भी जरूरी बदलाव करने में सक्षम होती हैं। कोई भी मॉडल और तकनीक 100 प्रतिशत सही पूर्वानुमान नहीं कर सकती। 24 घंटे के पूर्वानुमान में आईएमडी की एक्यूरेसी 80 प्रतिशत से ज्यादा है। इसके अलावा 5 दिनों के पूर्वानुमान में भी यह 60 प्रतिशत से अधिक की है। आईएमडी अधिकारी के अनुसार, मॉनसून और प्री मानसून सीजन में पूर्वानुमान काफी जटिल होता है। इसके कई फैक्टर होते हैं। मई, जून में तापमान बहुत अधिक होता है और उस समय हवाओं के साथ नमी भी आने लगती है। इसकी वजह से पहाड़ और महासागर में बनने वाले सिस्टम दिल्ली में मौसमी बदलाव करते हैं। लेकिन इसके साथ-साथ लोकल स्तर पर भी कई कारण कई बार बादलों को बनने में मदद करते हैं। अधिकारी के अनुसार, प्री मॉनसून में खासतौर पर पूर्वानुमान आंधी और इन्हीं लोकल वजहों की वजह से काफी ट्रिकी हो जाता है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मू के भाषणों के संग्रह का विमोचन किया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अपने कार्यकाल के दूसरे वर्ष के दौरान दिए गए 51 भाषणों के संग्रह का सोमवार को विमोचन किया। सिंह ने इस मौके पर कहा कि यह ''विकसित भारत के दृष्टिकोण का कर्म ग्रंथ'' बनेगा। राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने अंग्रेजी में 'विंग्स टू आवर होप्स-वॉल्यूम-2' और हिंदी में 'आशाओं की उड़ान-खंड-2' नाम से प्रकाशित पुस्तक और इसके ई-संस्करण का विमोचन किया। राष्ट्रपति के भाषणों को राष्ट्रपति भवन ने संकलित और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग ने प्रकाशित किया है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन भी मौजूद थे।रक्षामंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''यह पुस्तक 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का साधन बनेगी।'' सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया था कि 'विंग्स टू आवर होप्स-वॉल्यूम-2' राष्ट्रपति के 51 भाषणों का संग्रह है, जो महामहिम के कार्यकाल के दूसरे वर्ष (अगस्त 2023- जुलाई 2024) के दौरान उनके दृष्टिकोण, दर्शन और प्राथमिकताओं की झलक प्रदान करता है।

यूपी में बिजली निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को देशव्यापी हड़ताल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को देशव्यापी हड़ताल की जाएगी जिसमें किसानों और उपभोक्ता मंचों की सक्रिय भागीदारी होगी। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआइपीईएफ) के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ में रविवार को हुई बिजली महापंचायत में यह निर्णय लिया गया कि उत्तरप्रदेश में बिजली कर्मचारी दो जुलाई को विरोध प्रदर्शन करेंगे और यूपीपीसीएल द्वारा निजीकरण के लिए टेंडर नोटिस जारी किए जाने के दिन से काम का बहिष्कार शुरू करेंगे। उसी दिन सभी 27 लाख बिजली कर्मचारी सांकेतिक हड़ताल करेंगे। कर्मचारियों के साथ किसान संगठन और उपभोक्ता भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि महापंचायत में पंजाब समेत देश की प्रमुख यूनियनों और राज्य संघों के शीर्ष नेतृत्व और किसान संगठनों की भागीदारी ने दिखा दिया है कि बिजली क्षेत्र के निजीकरण के दुष्प्रभावों को लेकर सभी चिंतित हैं। एआइपीईएफ के मीडिया सलाहकार वी के गुप्ता ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दर्शन पाल और ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के कार्यकारी प्रबंध निदेशक रमानाथ झा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिजली कर्मचारियों, विभिन्न ट्रेड यूनियनों, किसानों की विशाल सभा को संबोधित किया। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने भी मंच पर उपभोक्ताओं की चिंताओं को रखा। प्रमुख वक्ताओं में ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महासचिव शिवगोपाल मिश्रा, एआइपीईएफ के एके जैन, ऑल इंडिया पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष आरके त्रिवेदी, इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज ऑफ इंडिया के महासचिव सुदीप दत्ता, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के डी.के. अरोड़ा, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वाई.एस. लोहित और यूपी अभियांत्रिकी संघ के महासचिव जितेन्द्र गुर्जर शामिल थे। दुबे ने कहा कि यह विरोध अब राष्ट्रीय स्वरूप ले रहा है जहां सभी वक्ताओं ने विद्युत वितरण क्षेत्र के निजीकरण का पुरजोर विरोध किया। महापंचायत में यह भी मांग की गई कि यूपीपीसीएल में विद्युत कर्मचारियों के साथ किए गए सभी उत्पीड़न को वापस लिया जाए और पूर्व में किए गए सभी समझौतों का सख्ती से पालन किया जाए।

दिल्ली के जख्म पर गुजरात और पंजाब की जीत ने लगाया मरहम

गदगद केजरीवाल ने कहा, कांग्रेस और बीजेपी को जनता ने नकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों करारी हार झेलने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा के गढ़ गुजरात में विसावदर विधानसभा सीट पर जीत का परचम लहराया है। इस सीट पर हुए उपचुनाव में आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया जीत गए हैं। वहीं, पंजाब के लुधियाना वेस्ट सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने जीत हासिल की है। इन दोनों सीट पर मिली जीत से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल गदगद हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों सीट पर जनता ने भाजपा और कांग्रेस को नकार दिया है। केजरीवाल ने पोस्ट कर लिखा, +विसावदर और लुधियाना पश्चिम सीटों पर आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर आप सभी को बहुत बहुत बधाई। दोनों जगह पिछले चुनाव के मुकाबले लगभग दोगुने मार्जिन से जीत हुई है। ये दिखाता है कि पंजाब के लोग हमारी सरकार के कामों से बहुत खुश हैं और उन्होंने 2022 से भी ज्यादा वोट दिया है। वहीं गुजरात की जनता अब बीजेपी से परेशान हो चुकी है और उन्हें आप में उम्मीद दिख रही है। दोनों जगह कांग्रेस और बीजेपी, दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ीं। इन दोनों का एक ही मकसद था आप' को हराना। लेकिन लोगों ने दोनों जगह इन दोनों पार्टियों को नकार दिया।'

वहीं, लुधियाना वेस्ट सीट से आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुशी जाहिर की।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'विधानसभा हलका लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर सभी को बहुत-बहुत बधाइयां। बड़ी लीड से मिली यह जीत इस बात का साफ संकेत है कि राज्य के लोग हमारी सरकार के कामों से बेहद खुश है। हम पंजाब की तरक्की और खुशहाली के लिए दिन-रात बिना किसी भेदभाव और पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उपचुनाव के दौरान पंजाबियों से किए गए हर एक वादे को हम प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने वाले है।

आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि गुजरात और पंजाब के कार्यकर्ता को बधाई देता हूं। गुजरात की जीत पार्टी के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। हमारे विधायक जनता के मुद्दों को विधानसभा में मजबूती के साथ उठाएंगे। अरोड़ा पंजाब की विधानसभा में पहुंचे हैं। भगवंत मान की सरकार तीन साल से अच्छा कार्य कर रही है। विधानसभा उपचुनाव में जनता ने अपने वोट की मुहर लगाई है। राज्यसभा सीट खाली होने पर सिसोदिया ने कहा कि पार्टी जब तय करेगी तब बताया जाएगा कि कौन राज्यसभा जाएगा।

आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने लुधियाना वेस्ट सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत पर कहा कि संजीव अरोड़ा काफी प्रसिद्ध थे। उनकी जीत से एक राज्यसभा सीट खाली होगी। भारद्वाज ने कहा कि इसे ऐसा नहीं देखा जाना चाहिए कि राज्यसभा सीट खाली कराने के लिए उन्हें चुनाव लड़वाया गया।

उपचुनावों में भाजपा की हार पर अखिलेश बोले- भाजपा अपने अंतिम दौर में

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विभिन्न राज्यों में विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जीत पर बधाई दी है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि गुजरात, प. बंगाल, पंजाब, केरल के विधानसभा उपचुनावों में 80 फीसदी सीटों पर 'इंडिया गठबंधन' से संबद्ध दलों की जीत बता रही है कि भाजपा अपने अंतिम दौर में है। उन्होंने लिखा कि सभी विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई एवं सकारात्मक-जनसेवी राजनीति के मार्ग पर वचनबद्ध होकर चलने के लिए शुभकामनाएँ! जनता की जागरूकता ही परिवर्तन लाएगी। 'इण्डिया' ही इंडिया को आगे ले जाएगा!

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दी कांग्रेस को चुनौती, 5 साल से ज्यादा काम हमारी सरकार ने डेढ़ साल में किया

कांग्रेस ने गरीबी हटाने का नारा देकर गरीब को लूटा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस को चुनौती देकर कहा, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे खुले मंच पर आ जाएं। उनके 5 साल के हिसाब से हमारे डेढ़ साल का हिसाब ऊपर न चला जाए, तब आप बता दीजिएगा। सीएम शर्मा सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सीएम भजनलाल ने कहा कि कांग्रेसी कहते हैं कि मुख्यमंत्री रुकते नहीं हैं। अरे भाई सोने के लिए और होटल में रुकने के लिए आप ही बहुत थे। राजस्थान की जनता का दर्द समझिए। राजस्थान के उस युवा का दर्द समझिए। राजस्थान की उस प्यासी धरती का दर्द समझिए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। मैं कहना चाहता हूं उनसे कि राजस्थान में आज भी बहुत बड़ी आवश्यकता है। राजस्थान के युवा, किसान, मजदूर के लिए आज काम करने की आवश्यकता है। घर में बैठने की आवश्यकता नहीं है।

कांग्रेस पर हमलावार होकर सीएम शर्मा ने कहा कि आपने 5 साल में कितनी बिजली उत्पादन की थी। हमारी सरकार ने डेढ़ साल में कितनी बिजली उत्पादन की है। कितने कनेक्शन दिए हैं। एक बार आंकड़े मंगवा लीजिए। आप ट्वीट करते हैं जनता को क्या बताना चाहते हैं। मैं आपसे स्पष्ट कहना चाहता हूं की जनता को धोखे में रखने का काम नहीं करें।

सीएम भजनलाल ने कहा कि कांग्रेस ने बीते 70 सालों में गरीबी हटाने का नारा देकर गरीब को लूटने का काम किया। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने बजट में कहा था कि हम 5 हजार गांव को बीपीएल मुक्ति करने वाले है। हमने उसके लिए 300 करोड़ रुपए भी दिए और मैं आपको बताना चाहता हूं। आने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय पखवाड़े में 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्ति कर देने वाले है। जो हमारी योजना है उनका लाभ उन्हें मिले।

वाईएसआरसीपी प्रमुख की गाड़ी से कुचला कार्यकर्ता, रेड्डी व ड्रायवर पर मामला दर्ज

गुंटूर (एजेंसी)। आंध्र पुलिस ने वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी और उनके ड्राइवर के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ता की दुर्घटनावश मौत के लिए एफआईआर दर्ज की है। बता दें पार्टी कार्यकर्ता बुधवार को गुंटूर के बाहरी इलाके में जगन रेड्डी की कार के पहियों के नीचे आ गया था। पुलिस ने रविवार को कार चालक रमना रेड्डी को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की कि वह काफिले को रोके बिना आगे क्यों बढ़ गया क्यों? चीली सिंगैया को वाहन के नीचे कुचल दिया गया था।

पुलिस के मुताबिक सिंगैया नामक एक बुजुर्ग व्यक्ति इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुंटूर जिले के एसपी ने कहा कि यह घटना 18 जून की बताई जा रही है, जब रेड्डी वाईएसआरसीपी नेता के परिवार से मिलने के लिए रेन्टापल्ला जा रहे थे, जिनकी पिछले साल आत्महत्या कर लेने से मौत हो गई थी। दुर्घटना के समय उनका काफिला

एतुकुरु बाईपास से गुजर रहा था। एसपी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज ड्रोन विजुअल और परिस्थितिजन्य सामग्री समेत कई सबूतों का विश्लेषण करने के बाद यह पाया गया कि मृतक को पूर्व सीएम के वाहन ने कुचला था।

शुरुआत में मृतक की पत्नी चीली लुरधु मैरी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर लापरवाही से मौत से संबंधित मामला दर्ज किया था। एसपी ने कहा कि बुजुर्ग सिंगैया के बारे में सूचना मिलने पर उन्हें गंभीर रक्तस्राव की चोटें आईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उनकी पत्नी चीली लुरधु मैरी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन विजुअल और परिस्थितिजन्य साक्ष्य का विश्लेषण करने के बाद पुलिस ने पुष्टि की कि मृतक को काफिले में पूर्व सीएम के वाहन ने कुचल दिया था। एसपी ने कहा कि उनके नाम आरोपियों की सूची में जोड़ दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानूनी कार्रवाई उचित प्रक्रिया और कानून के लागू प्रावधानों के अनुसार आगे बढ़ेगी।

सेलिना जेटली ने मिस यूनिवर्स के सफर को किया याद

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने बहुत कम उम्र में मिस यूनिवर्स 2001 में चौथी रनर-अप बनकर देश को गौरवान्वित किया। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक भावुक पोस्ट के जरिए इस अनुभव को याद किया। उन्होंने अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं और एक लंबा नोट भी लिखा।

रनर-अप बनने के सफर को किया याद

भारत में उनके रनर-अप दर्जे को मीडिया ने किस तरह देखा, इसका खुलासा करते हुए सेलिना ने लिखा, रनर-अप मिस यूनिवर्स 2001 घर वापस आकर, स्वागत उस पल से बिल्कुल मेल नहीं खाता था। ज्यादातर सुर्खियां रही थीं दुर्भाग्य से... भारत मिस यूनिवर्स रनर-अप के रूप में आया। सिर्फ 56 की लंबाई के साथ, मैं एक किशोरी के रूप में दुनिया की 103 सबसे चमकदार महिलाओं के बीच मिस यूनिवर्स 2001 में भारत के लिए रनर-अप जीतते हुए खड़ी थी। एक ऐसा कारनामा जो भारत अगले 20 साल तक नहीं दोहराएगा।

लोगों ने निकाली खामियां

सेलिना ने आगे लिखा, फिर भी मुझे दयापूर्ण सलाह मिली- बहुत छोटी, बहुत ईमानदार, तुम्हारा मंगल खराब हो गया है, बेटा। यह बहुत ही मजेदार था। यह दिल तोड़ने वाला था। लेकिन इसने मुझे बनाया। इस चमक-दमक के पीछे धैर्य था... बिना वेतन वाली नौकरी, लगातार ऑडिशन और यह शांत विश्वास कि ब्रह्मांड मेरे साथ है। मैं 15 साल से एक कामकाजी मॉडल थी। उस यात्रा ने मुझे मिस इंडिया 2001 जीतने और वैश्विक मंच पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया।

एक अधिकारी ने कैसे की मदद

सेलिना ने आगे लिखा, मैं 11 सूटकेस, पूरे शरीर की वैक्स, फेशियल और दृढ़ निश्चय के साथ मुंबई से रवाना हुई, जिसका परीक्षण तुरंत हवाई अड्डे पर हुआ। मैंने खुद को पांच ट्रॉलियों को घूरते हुए पाया, जिन्हें मुझे अकेले टर्मिनलों में धकेलना था। मैं रो रही थी, जब तक कि एक दयालु अधिकारी एक देवदूत की तरह प्रकट नहीं हुआ और मेरी मदद की।

सफर पर आगे बढ़ते रहना

सेलिना ने आगे लिखा, मैं कई देशों के प्रतियोगियों के साथ न्यूयॉर्क से उड़ान पर सवार हुई। कई ने अपने साथियों के साथ बिजनेस क्लास में उड़ान भरी... संयमित, लाड़-प्यार से भरे और पूरी तरह से तैयार। इस बीच, सुश्री रूस और मैं पीछे बैठे थे, एक तंग शौचालय में कपड़े बदलने की कोशिश कर रहे थे, जो सैन जुआन की उड़ान के अधिकांश समय तक व्यस्त रहा। तभी मुझे एहसास हुआ... कि यह सब कितना बड़ा है मैं आगे बढ़ रही थी. दांव पर. दबाव. और शांत अहसास- मुझे उठना होगा और पल का सामना करना होगा।

'सितारे जमीन पर' से चमकेगा जेनेलिया का करियर

खत्म होगी हिट की तलाश

आमिर खान की मच अवेटेड फिल्म 'सितारे जमीन पर' रिलीज हो गई है। फिल्म को क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म में आमिर खान के साथ जेनेलिया डिसूजा भी अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। एक ओर जहां ये फिल्म आमिर खान के लिए काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, तो वहीं दूसरी ओर जेनेलिया के करियर के लिए भी ये फिल्म एक अहम कड़ी साबित हो सकती है।

अगर जेनेलिया के करियर को देखें तो उनके खाते में कोई बड़ी हिट नहीं है। वहीं जेनेलिया के खाते में उतनी फिल्में भी नहीं हैं, जितना उनको इंडस्ट्री में वक्त हो चुका है। ऐसे में 'सितारे जमीन पर' से जेनेलिया को काफी उम्मीदें हैं। देखना ये है कि क्या 'सितारे जमीन पर' से जेनेलिया के करियर को रफ्तार मिलेगी या नहीं। जानते हैं जेनेलिया की पिछली फिल्मों का क्या रहा हाल।

ट्रायल पीरियड

2021 में आई जेनेलिया की फिल्म 'ट्रायल पीरियड' में मानव कौल प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। ये कॉमेडी-ड्रामा फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी। फिल्म मजेदार थी, लेकिन ये कब आई, कब चली गई किसी को पता भी नहीं चल। फिल्म में जेनेलिया ने एक सिंगल मदर का किरदार निभाया है, जो अपने बेटे की जिद पर 30 दिनों के लिए किराए पर पिता लेती है। पिता का किरदार मानव कौल ने निभाया है।

मिस्टर मम्मी

'मिस्टर मम्मी' भी 2022 में आई एक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में भी जेनेलिया के साथ उनके पति रितेश देशमुख प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। हालांकि, फिल्म कब आई कब चली गई, किसी को पता नहीं चला। इस फिल्म का निर्देशन शाद अली ने किया है। फिल्म का सब्जेक्ट अच्छा था, लेकिन फिल्म की कमजोर कहानी इसकी नैय्या पार नहीं लगा पाई।

वेद

'वेद' एक मराठी फिल्म है। इसे हिंदी में भी रिलीज किया गया था। इस फिल्म में जेनेलिया के साथ रितेश देशमुख प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी रितेश देशमुख ने ही किया है। ये फिल्म मराठी में तो काफी हिट रही थी और ब्लॉकबस्टर मानी गई थी। हालांकि, हिंदी भाषा में फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

2022 में लंबे ब्रेक के बाद लौटी थीं जेनेलिया

2022 से पहले जेनेलिया एक लंबे ब्रेक पर थीं। इससे पहले 2014 में आई मराठी फिल्म 'ते भारी' में जेनेलिया एक छोटी सी भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म में भी प्रमुख भूमिका में रितेश देशमुख ही थे। इससे पहले इसी साल जेनेलिया सलमान खान की फिल्म 'जय हो' में भी एक छोटे से रोल में दिखाई दी थीं। इसके आठ साल बाद ही जेनेलिया 'वेद' और 'मिस्टर मम्मी' में नजर आई थीं।

वॉर 2 में एक्शन सीन को दमदार बनाने में लगा सबसे ज्यादा समय

फिल्ममेकर अयान मुखर्जी ने फिल्म वॉर 2 को डायरेक्ट करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने इसे रोमांचक सफर करार दिया। कहा कि वह इस फिल्म के जरिए अपनी नई सोच और नया अंदाज लाना चाहते हैं। अयान मुखर्जी ने कहा है, मेरे लिए वॉर 2 फिल्म को डायरेक्ट करना रोमांचक सफर था। ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइज की फिल्म को आगे बढ़ाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और उसमें अपनी छाप छोड़ना और भी जरूरी हो जाता है। मैंने वॉर 2 को डायरेक्ट करने का मौका एक मजेदार अनुभव की तरह देखा है, जिसमें मैं पहली फिल्म को सम्मान दे सकूं। इसमें कुछ नया और अलग अंदाज में कर सकूं।

फिल्ममेकर ने बताया कि उन्होंने कहानी पर खास ध्यान दिया। वह फिल्म में दो बड़े स्टार, ऋतिक रोशन और एनटीआर, के बीच ऐसा जबरदस्त टकराव दिखाना चाहते हैं जिसे देख दर्शक तालियां बजाने पर मजबूर हो जाएं। अयान मुखर्जी ने कहा, हमें पहले से बनी हुई फिल्म और उसके माहौल को ध्यान में रखते हुए काम करना होता है, और फिर ऐसा कुछ नया दिखाना होता है जो फैंस को पसंद आए। एक डायरेक्टर के तौर पर मैंने पूरी ईमानदारी से इस एहसास को फिल्म में लाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि वॉर 2 की हर चीज, कहानी, एक्शन, सीन आदि को बहुत ध्यान से तैयार किया है, ताकि दर्शकों को थियेटर में फिल्म देखने में मजा आए और एक खास अनुभव महसूस हो। अयान मुखर्जी ने कहा, फिल्म में ऋतिक और एनटीआर के बीच हुए एक्शन सीन को दमदार बनाने में सबसे ज्यादा समय लगा है। यह एक ऐसी फिल्म है जो भारतीय सिनेमा की ताकत को दिखाती है, फिल्म दर्शकों को ऐसा जोश देने वाली है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया होगा। उन्होंने कहा, वॉर 2 सच में भारतीय सिनेमा की एक बड़ी मिसाल है, क्योंकि इसमें दो बहुत बड़े अभिनेता, ऋतिक और एनटीआर, साथ आ रहे हैं। ऐसे में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। वॉर 2 14 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

उज्ज्वल निकम का रोल निभाएंगे राजकुमार राव

मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमलों पर एक नई फिल्म की तैयारी हो रही है। जिसमें एक्टर राजकुमार राव लीड रोल करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म में उज्ज्वल निकम की भूमिका अभिनेता राजकुमार राव निभा रहे हैं। निकम देश के सबसे चर्चित पब्लिक प्रोसिक्यूटर रहे हैं। उन्होंने कई हाई-प्रोफाइल केस लड़े हैं। 26/11 केस में उनकी भूमिका सबसे अहम मानी जाती है। हालांकि, यह फिल्म पूरी तरह से उज्ज्वल निकम की बायोपिक नहीं होगी। फिल्म में सिर्फ उस केस पर फोकस किया जाएगा, जिसमें निकम ने आतंकी अजमल कसाब के खिलाफ केस लड़ा था।

फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं अविनाश

अरुण धावरे फिलहाल इस फिल्म का कोई टाइटल तय नहीं हुआ है। फिल्म का निर्देशन अविनाश अरुण धावरे कर रहे हैं। अरुण धावरे ने प्राइम वीडियो की सीरीज पाताल लोक के दोनों सीजन, किला व थ्री ऑफ अस का निर्देशन किया है। पटकथा सुमित रॉय ने लिखी है। सुमित ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, जुबान और गहराइयां जैसी फिल्मों का स्क्रीनप्ले भी लिखा है।

बता दें कि पहले चर्चा थी कि इस रोल को आमिर खान निभाएंगे, लेकिन वो 'सितारे जमीन पर' प्रोजेक्ट में व्यस्त होने की वजह से फिल्म से हट गए। इसके बाद राजकुमार राव को यह रोल ऑफर किया गया। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। प्रोडक्शन हाउस ने साफ किया है कि यह एक पारंपरिक बायोपिक नहीं होगी। फिल्म सिर्फ 26/11 केस से जुड़े कोर्ट रूम ड्रामा और कानूनी लड़ाई पर आधारित होगी। बता दें कि उज्ज्वल निकम ने इस केस में कसाब के खिलाफ सबूत पेश किए और कोर्ट से उसे सजा दिलवाई।

राजकुमार पहले भी निभा चुके हैं वकील का रोल

राजकुमार राव इससे पहले भी वकील की भूमिका निभा चुके हैं। फिल्म 'शाहिद' में उन्होंने वकील शाहिद आजमी का किरदार निभाया था। इस रोल के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। वहीं, राजकुमार जल्द ही फिल्म 'मालिक' में भी नजर आएंगे। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसमें वे गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं।

प्रिया ब्यूटी पार्लर से परिणय सूत्र तक बैक टू बैक फिल्में कर रहीं रानी

भोजपुरी अदाकारा रानी चटर्जी का करियर इन दिनों बुलंदी पर है। वे जिस तेजी से एक के बाद एक फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं और नई-नई फिल्में उनकी झोली में आ रही हैं, उन्हें अगर भोजपुरी सिनेमा की लेडी अक्षय कुमार कहा जाए तो, शायद गलत नहीं होगा। हाल ही में उनकी फिल्म प्रिया ब्यूटी पार्लर यूट्यूब पर रिलीज हो चुकी है। इसके अलावा वे कई अन्य फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं।

परिणय सूत्र

रानी चटर्जी ने हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग शुरू की है। उन्होंने मुहूर्त पूजा की तस्वीरें शेयर कर इस फिल्म में काम करने की जानकारी फैंस से साझा की। इसमें रानी के साथ राकेश बाबू लीड रोल में हैं।

अम्मा

इस फिल्म का बीते दिनों ही ट्रेलर रिलीज किया गया। यह फिल्म एक सौतेली मां के संघर्ष पर आधारित है। फिल्म में, रानी चटर्जी एक ऐसी सौतेली मां का किरदार निभा रही हैं जो अपने पति के पहले विवाह से हुए बच्चों के साथ तालमेल बैठाने की कोशिश करती हैं। फिल्म में रानी चटर्जी, राकेश बाबू, श्वेता वर्मा, कंचन शशि, वंदना साहू और अयाज खान जैसे सितारे हैं।

घमंडी बहू

इसके अलावा रानी चटर्जी के पास में फिल्म घमंडी बहू भी है, जिसकी शूटिंग उन्होंने हाल ही में पूरी की। फिल्म के नाम से ही जाहिर है कि इसमें वे बहूरानी अवतार में नजर आएंगी। टाइटल काफी दिलचस्प है।

चुगलखोर बहुरिया

इस साल रानी की झोली में यह भोजपुरी फिल्म भी आई। इसमें रानी चटर्जी के साथ अवधेश मिश्रा, प्रीति शुक्ला, देव सिंह, रितेश उपाध्याय, ज्योति मिश्रा, अनिता रावत और जे नीलम जैसे कलाकार भी हैं। रानी ने इसी साल फरवरी में इस फिल्म की जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

हम हैं जेठानी

पिक्चर अभी बाकी है! हम हैं जेठानी के बिना लिस्ट पूरी कैसे हो सकती है भला? इसके अलावा मायके के टिकट कटा दी पिया भी रानी चटर्जी की इस साल की फिल्मों में शामिल है।

अपने ही बच्चों को क्यों नहीं पसंद काजोल की फिल्में?

काजोल अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां' को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इन दिनों वह इस फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में काजोल ने अपने बच्चों के बारे में बात की। इसी बातचीत में बताया कि क्यों बच्चों को काजोल की फिल्में पसंद नहीं आती हैं।

सहम जाते हैं काजोल के बच्चे

फिल्मीज्ञान से की गई बातचीत में काजोल कहती हैं, 'मेरे बच्चों को मेरी फिल्में पसंद नहीं है। हां, वह मेरी एक्टिंग की तारीफ करते हैं। मगर जब बड़े पर्दे पर मुझे रोते हुए देखते हैं तो सहम जाते हैं। मैं कई बार कहती हूं कि ये एक्टिंग है, सच में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। बस इसी एक वजह से बच्चे मेरी फिल्में नहीं देखते हैं।'

बच्चों को जिंदगी से जुड़े सबक भी दिए

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में भी काजोल ने अपने बच्चों के बारे में बात की है। वह कहती हैं, 'मैंने अपनी मां तनुजा से कई सारी बातें, सबक सीखे हैं। कोशिश की है कि वहीं बातें अपने बच्चों को भी बताऊं। सबसे पहले मैंने उन्हें खुद के बारे में सोचना सिखाया है। इसके अलावा अपने फैसले खुद लेने की सीख दी है। सबसे बड़ी बात जो मैंने बच्चों को समझाई है कि वो जैसे भी हैं, बिल्कुल अच्छे हैं, उन्हें किसी के जैसा बनने की जरूरत नहीं है।'

प्रेमी ने युवती की गोली मारकर हत्या की

फिर खुद को भी उड़ाया; एक दिन पहले परेशान न करने का किया था वादा

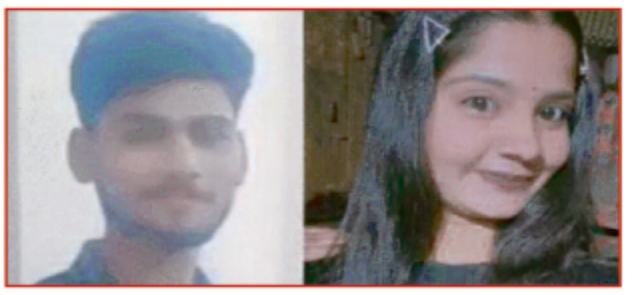

कन्नौज। युवक ने प्रेमिका की गोली मारकर हत्या कर दी। थोड़ी ही देर बाद खुद को भी गोली मार ली। युवक का शव तालाब के पास जबकि प्रेमिका का उसके कमरे में मिला। युवक के शव के पास लाइसेंसी बंदूक मिली, जो उसके पिता की है। मामला सौरिख थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव का है। सूचना मिलते ही एसपी विनोद कुमार पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सुल्तानपुर गांव की दीप्ति (22) पुत्री अशोक का पड़ोसी गांव कुठिला के रहने वाले देवांश (25) पुत्र महिपाल सिंह से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 15 दिन पहले युवती के परिजनों ने उसकी शादी किसी दूसरी जगह तय कर दी। जिससे देवांश गुस्से में था और उसने दीप्ति को परेशान करना शुरू कर दिया। इसको लेकर एक दिन पहले ही गांव में पंचायत बुलाई गई। जहां देवांश ने माफी मांगते हुए दीप्ति को दोबारा परेशान न करने की बात कही थी। दीप्ति और देवांश दोनों का गांव बगल-बगल है। दोनों तीन साल पहले गांव में एक शादी समारोह में मिले थे। धीरे-धीरे दोनों में नजदीकियां बढ़ीं तो दोनों ने एक दूसरे से मोबाइल बातचीत करने लगे। दोनों का प्रेम तीन साल से चल रहा था। इस बात की जानकारी लड़की के घरवालों को लग गई। उन्होंने 15 दिन पहले दीप्ति की शादी औरैया के एरवा कटरा थाना के चिट्ठा गांव के रहने वाले अनिकेश से तय कर दी। अनिकेश, तालग्राम में ही मेडिकल स्टोर चलाता है। शादी तय होने की बात जब देवांश को पता चली तो वह अनिकेश के स्टोर पर पहुंच गया। वहां उसने अनिकेश को दीप्ति से शादी न करने के लिए कहा और धमकी दी कि अगर शादी करेगा तो बहुत बुरा होगा। धमकी मिलने की बात लड़के ने दीप्ति के पिता को बताई। इसके बाद रविवार को नगला भजूं गांव में दोनों परिवारों के बीच पंचायत हुई। पंचायत में देवांश ने सभी के सामने दीप्ति से सारे रिश्ते खत्म करने और दोबारा परेशान न करने का वादा किया। लेकिन अगले ही दिन यानी सोमवार तड़के करीब 4 बजे वह पिता की लाइसेंसी 12 बोर बंदूक लेकर दीप्ति के घर पहुंच गया। दीप्ति अपनी छोटी बहन के साथ घर की छत पर सो रही थी। देवांश ने नली दीप्ति के सिर से सटाकर गोली चला दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। गोली की आवाज सुनकर परिवार वाले छत पर पहुंचे, लेकिन तब तक देवांश वहां से भाग चुका था। घटना के बाद देवांश गांव के पास स्थित तालाब के किनारे पहुंचा और वहीं खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी विनोद कुमार, एएसपी अजय कुमार सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को देवांश के शव के पास से लाइसेंसी बंदूक व खोखे मिले। देवांश 12वीं पास है। वह गांव में ही अपने पिता महिपाल सिंह के साथ खेती करता था। महिपाल सिंह सेना के रिटायर्ड फौजी हैं। देवांश का परिवार घटना के बाद से ही घर में ताला डालकर फरार है। पुलिस सभी की तलाश कर रही है। घटना में इस्तेमाल की गई बंदूक देवांश के पिता की थी, जो रिटायर्ड फौजी हैं। यह एक लाइसेंसी हथियार था, जिसे युवक ने चुपचाप घर से निकाल लिया और घटना को अंजाम दिया। वारदात के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि देवांश और दीप्ति एक-दूसरे को जानते थे, लेकिन लड़की के इनकार और रिश्ता कहीं और तय हो जाने के कारण वो गुस्से में था। एसपी विनोद कुमार ने बताया की सुबह सौरिख थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक युवती की हत्या कर दी गई है, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर पुलिस ने छानबीन शुरू की। पूछताछ और जांच के दौरान पता चला कि युवती की हत्या करने के बाद लड़के ने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दीप्ति बीएससी फाइनल ईयर की छात्रा थी। परिवार में उसकी एक छोटी बहन और एक भाई है। पिता अशोक बिजली विभाग में लाइनमैन के पद पर तालग्राम में तैनात हैं। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं देवांश के परिवार में भी दो भाई और दो बहनें हैं।

27 जून को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य शोभायात्रा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर स्थित चित्रतुली गाली स्थित अंतर्राष्ट्रीय इस्कॉन मंदिर में भजन, पूजन और आरती में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस मौके पर आचार्य गोविंद गोपाल दास ने आगामी 27 जून दिन शुक्रवार को निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की भव्य शोभायात्रा में भाग लेने की अपील की। रविवार की शाम को आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नेता और समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल ने भगवान जगन्नाथ की आरती उतारी। भक्तों के हरे रामा हरे कृष्णा के सामूहिक जाप से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। अपने प्रवचन में आचार्य दास ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा में भाग लेने पुण्य की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि जगन्नाथ का भात जगत पसारे हाथ। ऐसी भगवान जगन्नाथ की महिमा है। आचार्य श्री दास ने बताया कि 27 जून की सुबह भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा चित्रतुली गली स्थित हरे रामा हरे कृष्णा मंदिर से निकलेगी जो गोलाबाजार होते हुए हाइवे चौक और वहां से नगर भ्रमण करते हुए मंदिर पहुंचेगी। सायं जगन्नाथ जी का पूजन, आरती होगा और उनकी लीलाओं पर आधारित नाटक का मंचन कलाकारों द्वारा होगा और अंत में महा प्रसाद का वितरण होगा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य वीरेंद्र कुमार यादव, राजेश वर्मा, उमेश कुमार गुप्ता किन्नू बाबू, भोला जायसवाल, रामेश्वर वर्मा, कृष्ण वर्मा, हीरा, अमन, विजय गुप्ता सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

बैतालपुर में निःशुल्क रोजगार मेले का किया गया आयोजन

संवाददाता

देवरिया। भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने एवं रोजगारिता में वृद्धि के उद्देश्य से सोमवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), बैतालपुर, देवरिया में एक दिवसीय निःशुल्क रोजगार मेले का आयोजन किया गया।यह मेला कृष्ण कुमार राम, नोडल प्रधानाचार्य, राजकीय आईटीआई देवरिया तथा रास बिहारी चतुर्वेदी, उप निदेशक सेवायोजन, गोरखपुर के निर्देश एवं समन्वय में जिला सेवायोजन कार्यालय, देवरिया एवं राजकीय आईटीआई बैतालपुर के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।रोजगार मेले में जनपद के 220 रोजगारार्थियों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न सेक्टर से आई तीन कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से कुल 86 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया गया।कार्यक्रम के संयोजक बालकृष्ण गोंड, प्रभारी प्लेसमेंट, एवं प्रवीन कुमार, संस्थान प्रभारी, जीआईटीआई बैतालपुर, सफीक हुसैन सिद्दीकी एवं गौरव कुमार सिंह, मेला प्रभारी, जिला सेवायोजन कार्यालय, देवरिया ने सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी तथा असफल अभ्यर्थियों को पुनः तैयारी कर अगले अवसर में सफलता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया।रोजगार मेले के आयोजन में जीआईटीआई बैतालपुर के प्रशिक्षकों अमित पांडेय, अशोक कुमार आनंद, कुणाल सिंह एवं अनुराग चतुर्वेदी ने सराहनीय योगदान दिया। इसके अतिरिक्त संस्थान के अन्य कार्मिकों का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

लोहिया पब्लिक स्कूल में प्रार्थना/सभा हाल का भिक्षु जायसारो ने किया लोकार्पण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तथागत बुद्ध ने विश्व को करुणा, मैत्री और शांति का संदेश दिया। हमें बुद्ध के बताए इन्हीं संदेशों पर चलना ही श्रेयस्कर है और इसी में सबका कल्याण निहित है। उक्त उद्बोधन थाई बौद्ध धर्मगुरु फ्रा फ्रो फटचयार्मुनि भिक्षु जायसारो महाथेरा ने बुद्ध स्थली कुशीनगर में भगवान बुद्ध का दर्शन पूजन के पश्चात रामपुर गढ़ देवरिया स्थित लोहिया पब्लिक स्कूल में बने सभागार का धम्म पाठ के साथ लोकार्पण करते हुए बतौर मुख्य अतिथि कही। विशिष्ट अतिथि थाई मॉनेस्ट्री कुशीनगर के फ्रा बोधिविदेशवाजीरासिरी ने बच्चों को नैतिक और अनुशासित शिक्षा पर जोर डीएस। छात्र - छात्राओं ने मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। भंते गण ने बच्चों शिक्षकों, उपासकों को भोजन दान दिया। प्रबंध समिति अध्यक्ष हृदय नारायण जायसवाल, विपिन सिंह, डॉ संजय गुप्ता आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। सभी के प्रति आभार विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार जायसवाल, संचालन मनोज जायसवाल ने किया। इस दौरान डॉ राहुल प्रसाद, दरोगा यादव, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड, पिंटू गुप्ता, विश्वंभर शुक्ल, सोनम विश्वकर्मा, अमृता विश्वकर्मा, लवली तिवारी, सीता गुप्ता, सुमन, रानी पटेल, संध्या सहित बच्चे मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मृत्यु, गांव में छाया मातम

संवाददाता

भटनी,देवरिया। थाना भटनी अंतर्गत ग्राम रायबारी में रविवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान मुन्नी देवी पत्नी रामप्यारे यादव के रूप में हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय महिला खेत की ओर गई हुई थीं। अचानक तेज गर्जना के साथ बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गईं। परिजनों व ग्रामीणों द्वारा तुरंत मदद पहुंचाई गई, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी।घटना के बाद से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की गई है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सात दिवसीय कथक नृत्य कार्यशाला आयोजित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कथक भारत की प्राचीन लोक नृत्य है। जिसकी उत्पत्ति उत्तर प्रदेश से ही हुई है। यह एक शास्त्रीय नृत्य है। ये बातें बुद्ध पीजी कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ डीएस त्रिपाठी ने कही। वे कसया नगर के राम जानकी मंदिर (मठ) परिसर में शनिवार को संस्कृति विभाग के बिरजू महाराज कथक संस्थान लखनऊ व वाइटल केयर फाउंडेशन की और से आयोजित सात दिवसीय कथक नृत्य कार्यशाला के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत नटराज देव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्पार्चन से हुआ।

इसके बाद डॉ अनिल कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम के औचित्य पर प्रकाश डाला कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से लोक कलाओं को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा आरएसएस देवरिया विभाग के सह संघ चालक डॉ सीएस सिंह, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, पुजारी देव शरण दास आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके बाद प्रशिक्षिका ज्योति शुक्ला ने पंजीकृत 105 प्रतिभागियों को पहले दिन का प्रशिक्षण दिया।कहा कि सातवें दिन समापन के बाद सबको प्रमाण पत्र दिया जाएगा। समापन धरती माँ के प्रार्थना से हुआ। इस दौरान सुरेश प्रसाद गुप्त, डॉ देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ कालिन्दी मणि त्रिपाठी, डॉ अखिलेश सिंह, डॉक्टर सीबी सिंह, डीके राय,एड.आलोक श्रीवास्तव, एड.रविन्द्र मणि त्रिपाठी, एड.ओपी सिंह, उमेशचन्द्र गुप्त कुन्नू, ग्रिजेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

सौरव गांगुली को इस बात का है सबसे ज्यादा अफसोस, इंटरव्यू के दौरान किया खुलासा

कोलकाता (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 38 शानदार शतक लगाने वाले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को यह संख्या रास नहीं आ रही है, उन्हें अपने क्रिकेट करियर के दौरान कई शतक चूकने का अफसोस है। अपने समय के बेहतरीन बाएं हाथ के बल्लेबाज गांगुली ने टेस्ट और वनडे में 18575 रन बनाए लेकिन अपने करियर में कई शतक चूकने का अफसोस है, जिसमें उन्होंने 311 वनडे और 113 टेस्ट मैच खेले।

गांगुली का यह पछतावा तब सामने आया जब उनसे पूछा गया कि वह अपने पुराने साथी को क्या सलाह देंगे। गांगुली ने बातचीत में कहा, 'मैंने कई शतक गंवाए, मुझे और अधिक शतक लगाने चाहिए थे। कई बार 90 और 80 रन बनाए।' उनके आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि गांगुली कुल 30 बार 80 और 90 के बीच आउट हुए।

अगर वह उन पारियों को शतकों में बदल पाते तो अपने पहले से ही शानदार करियर में आसानी से 50 से ज्यादा शतक बना लेते। जब भी वह अकेले होते हैं तो उन्हें अपनी पुरानी पारियां, अपने स्ट्रोकप्ले देखना बहुत पसंद है और यह उन्हें याद दिलाता है कि वह और शतक बनाने के कितने करीब थे।

पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा, 'मैं अपने (बल्लेबाजी) वीडियो तब देखता हूं जब मैं अकेला होता हूं। जब मेरी पत्नी दूर होती है क्योंकि सारा लंदन में रहती है। मैं यूट्यूब पर जाता हूं, और देखता हूं और कहता हूं 'अरे फिर 70 पर आउट हो गया' (हे भगवान, मैं इसमें भी 70 पर आउट हो गया), मुझे शतक बनाना चाहिए था। लेकिन आप इसे बदल नहीं सकते।'

वनडे में गांगुली ने 72 अर्धशतक बनाए और टेस्ट में यह संख्या 35 है। कप्तान के तौर पर कभी-कभी मुश्किल फैसला लेना जरूरी हो जाता है। आपको किसी ऐसे खिलाड़ी को शामिल करने के लिए उसे बाहर करना पड़ता है जो आपको लगता है कि परिस्थितियों या जरूरतों के लिए ज्यादा उपयुक्त है।

गांगुली ने दुनिया के सबसे महान लेग स्पिनरों में से एक अनिल कुंबले को बाहर करने पर खेद जताया। उन्होंने कहा, 'अनिल कुंबले, कुछ बार क्योंकि वह बहुत अच्छे थे।' गांगुली के लिए ऑस्ट्रेलिया उनकी पसंदीदा प्रतिद्वंद्वी टीम थी और तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ सबसे खतरनाक गेंदबाज थे।

पृथ्वी शॉ मुंबई छोड़ने के लिए तैयार, दूसरे राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए मांगी एमओसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) मांगा है। उम्मीद है कि वह दूसरे राज्य के लिए खेल सकते हैं। भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक 25 वर्षीय बल्लेबाज असंगत प्रदर्शन और ऑफ-फील्ड मुद्दों के लंबे दौर के बाद अपने गृह राज्य से दूर एक नई शुरुआत करना चाहता है। एक वरिष्ठ MCA अधिकारी के हवाले से एक न्यूज रिपोर्ट में कहा गया, 'उन्होंने हमसे NOC मांगी है और हम जल्द ही इस पर निर्णय लेंगे।'

शॉ का पिछले कुछ सत्रों में मुंबई के चयनकर्ताओं के साथ संबंध लगातार खराब होता गया है जिसका मुख्य कारण लगातार फिटनेस संबंधी चिंताएं हैं। शॉ को अपनी फिटनेस पर ध्यान देने को भी कहा गया था लेकिन उन्होंने कई बार MCA की बातों को नजरअंदाज किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार शॉ को दो से तीन अन्य राज्यों से रुचि मिली है। अगर उन्हें NOC मिल जाती है, तो वे 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए किसी अन्य राज्य की टीम के साथ पंजीकरण कर सकते हैं। खराब फिटनेस रिपोर्ट के बाद स्टार बल्लेबाज को रणजी ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया गया था। टीम प्रबंधन ने MCA को सूचित किया था कि शॉ का बॉडी फैट प्रतिशत अधिक है। उन्हें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दो सप्ताह के विशेष फिटनेस कार्यक्रम में भी शामिल होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, बार-बार चेतावनी के बावजूद शॉ आवश्यक फिटनेस मांगों को पूरा करने में असमर्थ रहे।

MCA की चयन समिति ने कथित तौर पर शॉ से यह भी कहा कि जब तक वह अतिरिक्त वजन कम नहीं कर लेते और अपनी स्थिति में सुधार नहीं कर लेते, तब तक उन्हें चयन के लिए नहीं चुना जाएगा। नतीजतन उन्हें दिसंबर (2024) में विजय हजारे ट्रॉफी टीम से भी बाहर कर दिया गया। घरेलू और आईपीएल अभियान में निराशाजनक प्रदर्शन भी शॉ के अनुकूल नहीं हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान 2024-25 उन्होंने नौ मैचों में केवल 21.88 की औसत से केवल 197 रन बनाए। उस खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें बीच सत्र में ही बाहर कर दिया गया। दिल्ली कैपिटल्स (DC) के साथ IPL 2024 में 8 मैचों में 24.75 की औसत और 163.63 की स्ट्राइक रेट से 198 रन बनाए। इसके बाद DC ने उन्हें IPL 2025 की मेगा नीलामी से पहले रिलीज कर दिया, जहां वे 75 लाख का बेस प्राइस के बावजूद नहीं बिके। शॉ का अंतरराष्ट्रीय करियर भी अंधेरे मे नजर आ रहा है क्योंकि 2018 में शतक के साथ धमाकेदार टेस्ट डेब्यू करने के बाद से अब तक उन्होंने सिर्फ 5 टेस्ट खेले हैं, और 42.37 की औसत से 339 रन बनाए हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा के नाम जुड़ा ये शर्मनाक रिकार्ड

लीड्स । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के नाम यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में एक ऐसा रिकार्ड जुड़ गया जिसे वह भूलना चाहेंगे। इस मैच में कृष्णा ने 3 विकेट लिए पर काफी रन लुटा दिये। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में किसी गेंदबाज की पहली बार इतनी पिटाई हुई है। कृष्णा ने दूसरी पारी में 20 ओवर में 128 रन दे दिये। टेस्ट क्रिकेट में इससे ज्यादा रन कई गेंदबाजों ने दिये हैं पर प्रसिद्ध कृष्णा का इकॉनमी रेट काफी खराब रहा। उन्होंने 6.40 के औसत से रन दिये कृष्णा इसी के साथ 6 से अधिक की इकॉनमी के साथ एक पारी में सबसे ज्यादा रन देने करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 6 से अधिक की इकॉनमी के साथ किसी गेंदबाज ने रन नहीं दिये हैं। प्रसिद्ध कृष्णा से पहले यह रिकॉर्ड मुरली कार्तिक के नाम था जिन्होंने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में 122 रन दिये थे। वहीं अतुल वासन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में 1990 में 108 रन दिये थे। जबकि मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में साल 2022 में 98 रन दिये थे। श्रीसंत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सेंट जॉन्स में साल 2006 में

रोहित शर्मा के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 साल पूरे, खास दिन सोशल मीडिया पर जताया आभार

नई दिल्ली - जून 2007 में आयरलैंड के खिलाफ 20 वर्षीय रोहित शर्मा ने 18 साल पहले आज ही कै दिन (23-6-2007) अपना अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था। भारत के लिए दो बार आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 साल पूरे करने पर अपना आभार व्यक्त किया। 'हिटमैन' ने खास मौके पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया, 'हमेशा आभारी, 23.06.07।' रोहित की कप्तानी में भारत 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा और अगले साल एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में पहुंचा, हालांकी टीम दोनों बार ट्रॉफी से चूक गया। उन्होंने 2024 में भारत को टी20 विश्व कप खिताब दिलाकर आईसीसी ट्रॉफी के 13 साल के इंतजार को खत्म किया और फिर 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर फैंस और देशवासियों को एक बार फिर से खुश होने का मौका दिया। रोहित 2024 में 150 से अधिक T20I में खेलने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए, हालांकि उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। शर्मा ने सभी प्रारूपों में 499 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 19,700 रन बनाए हैं। उनके नाम वनडे में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है, उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 264 रन बनाए थे।

अनुभवी फॉरवर्ड ललित उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास

एंटवर्प (एजेंसी)। एफआईएच प्रो लीग में भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे अनुभवी फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया। बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग 2024-25 सीजन के यूरोपीय चरण के भारत के अंतिम मैच के तुरंत बाद ललित ने सोशल मीडिया मंच के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी से अपने संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने इस दौरे पर चार मैचों में हिस्सा लिया और उन्होंने 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला था।

ललित ने 2014 हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम में पदार्पण किया। वह एक बेहतरीन प्लेमेकर रहे, जो नियमित आधार पर गोल भी करते थे, उन्होंने कुल मिलाकर सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए खेले 183 मैचों 67 गोल किए। पिछले कुछ वर्षों में, वह भारत की फॉरवड लाइन में एक विश्वसनीय नाम बन गए थे। वह अपनी बहुमुखी प्रतिभा, मैदान पर बुद्धिमत्ता और उच्च दबाव की स्थितियों में शांत व्यवहार के लिए जाने जाते हैं।

वह टोक्यो 2020 ओलंपिक में इतिहास रचने वाली टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे, जिसने भारत को लंबे समय से प्रतीक्षित कांस्य पदक जीतने में मदद की और पेरिस 2024 ओलंपिक में यह उपलब्धि दोहराई। ओलंपिक गौरव के अलावा ललित ने 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2017 एशिया कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां उन्होंने चार गोल किए थे उनके पदकों से भरे करियर में ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व लीग फाइनल 2017 में कांस्य, एफआईएच पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2018 में रजत, 2018 एशियाई खेलों में कांस्य और 2018 पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक शामिल हैं।

ललित एफआईएच प्रो लीग 2021-22 में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम का भी हिस्सा थे और हांग्जो में एशियाई खेलों 2022 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय हॉकी में उनके योगदान के लिए ललित को 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ईरान की धमकी के बाद डब्लयूडब्ल्यू ई पर मंडराया खतरा

न्यूयार्क । अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने के कारण अगले सप्ताह सऊदी अरब में होने वाला डब्लयूडब्ल्यू ई इवेंट नाइट ऑफ चैंपियंस शो रद्द हो सकता है। इसका कारण हवाई यात्रा करने के लिए जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि मिसाइल हमले हो सकते है हालाकि सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था काफी मजबूत है। इसलिए अभी तक शो को रद्द करने की कोई घोषणा नही हुई है। वहीं इस बारे में आयोजकों का कना है कि अभी तक नाइट ऑफ चैंपियंस की योजना में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अमेरिका के हमलों से भड़के ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा है कि क्षेत्र में मौजूद हर अमेरिकी नागरिक या सैन्यकर्मी अब हमारा निशाना है। इस बयान के बाद लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या यह शो होना चाहिए, क्योंकि डब्लयूडब्ल्यू ई एक अमेरिकी शो है जिसे पूरी दुनिया में देखा जाता रहा है। ईरान की धमकी के बाद कई लोग इस शो को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने के बाद भी कूटनीति के लिए अभी भी बहुत जगह बची है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने परमाणु ठिकानों पर हमला करके एक बहुत बड़ी लाल रेखा पार कर दी है। हमें आत्मरक्षा के अपने वैध अधिकार के आधार पर जवाब देना होगा। गौरतलब है कि सऊदी अरब में पहले भी डब्लयूडब्ल्यू ई के इवेंट हुए हैं। सऊदी अरब की सरकार सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। लेकिन ईरान की धमकी के बाद लोगों में डर का माहौल है। अब देखना यह है कि इस इवेंट को लेकर क्या फैसला होता है।

इस सत्र में मेरा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है : नीरज चोपड़ा

ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य) (एजेंसी)। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा नियमित रूप से 90 मीटर थ्रो करने का खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहते हैं और इस सत्र के लिए उनका लक्ष्य तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल करना है।

चोपड़ा मंगलवार को यहां गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे और उससे पहले वह काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं। चोपड़ा ने पिछले हफ्ते पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर की थ्रो के साथ जूलियन वेबर को हराकर जीत हासिल की थी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने कहा कि चेक गणराज्य के महान खिलाड़ी जान ज़ेलेज़नी का कोच के रूप में साथ और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उन्हें अच्छे परिणाम हासिल करने का पूरा भरोसा है।

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने दोहा में सत्र के शुरूआती डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपने करियर में पहली बार 90 मीटर की दूरी पार की थी और वह अपनी प्रगति से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे बेहतरीन खिलाड़ी और कोच के साथ काम करके वाकई बहुत खुश हूं। तकनीक में थोड़ा और सुधार करने के बाद मैं इस साल पहले ही 90 मीटर फेंक चुका हूं। देखते हैं कि मैं अगली बार कब यह दूरी फिर से हासिल करूंगा लेकिन मैं तैयार हूं। हाल ही में हमने निम्बर्क (चेक गणराज्य) में अच्छा अभ्यास किया इसलिए मैं यहां ओस्ट्रावा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर आश्वस्त हूं।' हरियाणा के इस खिलाड़ी ने कहा, 'इस सत्र का मुख्य लक्ष्य निश्चित रूप से तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप है।'

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप इस साल 13 से 21 सितंबर के बीच जापान की राजधानी में आयोजित की जाएगी। चोपड़ा मंगलवार को यहां होने वाली का प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैं छोटा था तो मैंने उसैन बोल्ट जैसे एथलीटों के यहां प्रतिस्पर्धा करते हुए बहुत सारे वीडियो और तस्वीरें देखी थीं। मैं पिछले साल यहां आया था, लेकिन चोट के कारण प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया था।' चोपड़ा ने कहा, 'अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं, लेकिन मैं 90 मीटर के लिए खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहता हूं पर मैं इसके लिए अपनी तरफ से पूरे प्रयास करूंगा।'

दिल्ली के हॉस्टलों का हाल देख सीएम रेखा गुप्ता हैरान, आप सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को मौलाना आजाद अस्पताल के डॉक्टरों से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने पिछली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वो उनके काम से हैरान हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि कॉलेज और छात्र बहुत ही 'बुरे' हालात में हैं। 1966 से 1990 के बीच 1200 छात्रों के लिए सात छात्रावास बनाए गए थे, लेकिन वर्तमान में 3,200 छात्र इन छात्रावासों में रह रहे हैं। रेखा गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा,'मैं पिछली सरकार के काम से, अस्पताल प्रशासन और मेडिकल कॉलेज के रखरखाव से हैरान हूँ। कॉलेज और छात्र बहुत खराब स्थिति में हैं। 1966 और 90 के बीच बनाए गए सात छात्रावासों में 1,200 छात्रों के रहने की क्षमता थी, वहां लगभग 3,200 छात्र रह रहे हैं।'

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने पिछली आप सरकार पर हमला बोला और कहा कि यह शर्मनाक है कि उनके

कार्यकाल में कोई नवीनीकरण कार्य नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह छात्रों की सुरक्षा के लिए खतरा है और यह बहुत 'दुखद' है कि वे ऐसी विपरीत परिस्थितियों में रह रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह बहुत शर्मनाक है कि कोई नवीनीकरण या मरम्मत का काम नहीं किया गया है। यह बहुत दुखद है कि हमारे मेडिकल छात्र वहां ऐसी विपरीत परिस्थितियों में रह रहे हैं, जो उनकी सुरक्षा के लिए खतरा है।'

सीएम रेखा गुप्ता ने छात्रों की सुरक्षा पर दिया खास ध्यान

छात्रावासों में छात्राओं के साथ पहले हुई दुर्घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, रेखा गुप्ता ने कहा कि अगर पिछली सरकार ने छात्रों को सुरक्षित वातावरण और एक कॉम्पैक्ट कैंपस नहीं दिया, तो इसके लिए वे खुद जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, 'पहले भी दुर्घटनाएँ हुई हैं, बलात्कार जैसे मामले हुए हैं। अगर पिछली सरकार ने उन्हें सुरक्षित वातावरण और एक कॉम्पैक्ट कैंपस नहीं दिया है, तो यह अपने आप में बहुत शर्मनाक है... सरकार तुरंत मरम्मत की सुविधा प्रदान करेगी और नए छात्रावासों के प्रावधान की भी तुरंत तलाश की जाएगी।'

ईरान पर अमेरिकी बमबारी अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन : मदनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने ईरान पर हालिया अमेरिकी बमबारी की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का खुला उल्लंघन करार दिया है। मौलाना मदनी ने कहा कि इजराइल इस समय पश्चिम एशिया में खून-खराबा और आतंकवाद का केंद्र बन चुका है, जिसे अमेरिका का पूरा संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हमेशा अपनी आक्रामक नीतियों द्वारा दुनिया को हानि पहुंचाई है और अब पश्चिम एशिया में उसका अस्तित्व मरहम के बजाय जहर में परिवर्तित हो चुका है। जब तक पश्चिम एशिया के देश आपसी एकजुटता के साथ अपनी जमीन से अमेरिकी अड्डों को समाप्त नहीं करते, इस क्षेत्र में स्थाई शांति स्थापित नहीं हो सकती है। अन्यथा पूरा पश्चिम एशिया एक-एक करके इन शैतानी साजिशों का शिकार होता रहेगा, जैसा कि पूर्व में इराक, अफगानिस्तान और लीबिया के साथ हो चुका है और अब वही घिनौना खेल ईरान के खिलाफ दोहराया जा रहा है। मौलाना मदनी ने कहा कि किसी भी शक्तिशाली देश को यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह अपनी सैन्य ताकत के दम पर दुनिया के किसी भी हिस्से में आक्रामकता का इस्तेमाल करे। इस तरह की कार्रवाइयां न केवल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि यह पूरी दुनिया में अविश्वास, नफरत और अस्थिरता को बढ़ावा देती हैं। सभी को मानवता के लिए निर्धारित सिद्धांतों का पालन करना चाहिए और हर वह कदम जो मासूम जानों को निशाना बनाए, मानवाधिकारों की धज्जियां उड़ाए और वैश्विक शांति को खतरे में डाले, अस्वीकार्य हो और उसके खिलाफ कागज़ी कार्रवाई की बजाय सख्त कदम उठाया जाना चाहिए।

जनता भाजपा के 30 साल के कुशासन से तंग आ चुकी है: केजरीवाल

-'2022 में तो सिर्फ आंधी थी... 2027 में आएगा तूफान', उप-चुनाव परिणाम से गदगद केजरीवाल ने कर डाली बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में विसावदर और लुधियाना पश्चिम सीट पर हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों ने शानदार जीत हासिल की है। इस जीत के बाद आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं गोपाल इटालिया और संजीव अरोड़ा जी तथा वहां की जनता और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करना चाहता हूं।

केजरीवाल ने कहा कि इन दोनों सीटों पर हम 2022 के चुनावों में जितने अंतर से जीते थे, आज हम उससे लगभग दोगुने अंतर से जीत हासिल की है। यह जीत आप की नीतियों और कार्यों पर मुहर लगाती है। उन्होंने कहा कि पंजाब में 2022 की जीत अगर आंधी थी तो 2027 में तो तूफान आएगा।

उन्होंने कहा कि विसावदर विधानसभा सीट पर आए परिणाम ने बता दिया है कि जनता भाजपा के 30 साल के कुशासन से तंग आ चुकी है और अब उससे छुटकारा पाना चाहती है। यह परिणाम बताता है कि आम आदमी पार्टी ने जो दिल्ली और पंजाब में काम किए हैं, वह जनता को पसंद आए हैं और अब वह काम गुजरात में भी चाहते हैं।

केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में दो सीटों पर चुनाव हुए थे और यहां बीजेपी और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था लेकिन इसके बाद भी हमने एक सीट पर ऐतिहासिक जीत हासिल की और दूसरी पर भाजपा भाजपा जीती है। ये यह बताता है कि गुजरात में सीधी टक्कर आम आदमी पार्टी और बीजेपी की है। जिस सीट को बीजेपी हमसे छीनी थी, जनता ने फिर से हमें जिता दिया है।

कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व बीजेपी के हाथ की कठपुतली: केजरीवाल

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व बीजेपी के हाथ की कठपुतली बन चुका है। कांग्रेस का आम कार्यकर्ता और स्थानीय नेता बीजेपी को हराना चाहता है लेकिन शीर्ष नेतृत्व बीजेपी की जेब में बैठा है। आम आदमी पार्टी तन-मन-धन से देश और सभी राज्यों को बीजेपी से बचाने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस के जो भी अच्छे कार्यकर्ता हैं, वह आप में शामिल हो जायें।

दुकान संचालक से कार लूटने वाले गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी जिला पुलिस ने हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि आरोपियों ने बीते शुक्रवार को बंसल स्वीट्स के पास वारदात को अंजाम दिया था। मामले में पुलिस ने सोमवार को चार आरोपियों शेन आलम उर्फ माजिद, ब्रिंस उर्फ सन्नी, हिमांशु उर्फ गुंडी और तनुज को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित 53 वर्षीय विनोद कुमार शर्मा नोएडा में रहते हैं। वह पटपड़गंज में पेस्ट्री की दुकान के चलाते हैं। वह शुक्रवार को कार से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोका और चाकू की नोक पर कार लूटकर भाग निकले। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों की लोकेशन संजय झील मेट्रो स्टेशन के पास मिली। इस पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों ने बताया कि लूटी गई कार हरिद्वार में एक पार्किंग क्षेत्र में छिपाई है।

नाबालिग का अपहरण कर कार में दुष्कर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुराड़ी इलाके में एक युवक ने शुक्रवार रात 14 साल की नाबालिग का अपहरण कर कार में दुष्कर्म किया। इसके बाद पीड़िता को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर अपहरण, दुष्कर्म और धमकी देने का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता परिवार के साथ बुराड़ी इलाके में रहती है। वह मुखर्जी नगर स्थित स्कूल में कक्षा आठ की छात्रा है। पीड़िता ने बताया कि वह 30 वर्षीय आकाश को एक साल से जानती है। पीड़िता शुक्रवार रात को घर के पास बैडमिंटन खेल रही थी। इसी दौरान आकाश कार से वहां आया और पीड़िता को साथ चलने के लिए कहा। पहले पीड़िता ने मना किया, लेकिन जबरदस्ती करने पर वह आरोपी के साथ चली गई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने अपनी कार नत्थूपुरा के पास सड़क के किनारे खड़ी की। इसके बाद कार में दुष्कर्म किया और धमकी देकर चला गया। पीड़िता किसी तरह से अपने घर आई और परिजन को घटना के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराने के बाद केस दर्ज कर लिया है।

इन 7 सेवाओं के व्यापार लाइसेंस अब ऑनलाइन जारी करेगी एमसीडी, पुलिस की एनओसी जरूरी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सात सेवाओं से जुड़े स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस एमसीडी की वेबसाइट से 60 दिनों की समय अवधि में व्यापारियों को ऑनलाइन जारी कर दिए जाएंगे। इसमें रेस्तरां, स्विमिंग पूल, होटल, मोटल, गेस्ट हाउस, डिस्कोथेक, वीडियो गेम पार्लर, एम्यूजमेंट पार्क और ऑडिटोरियम जैसी सात सेवाएं शामिल हैं। इन सेवाओं के लिए दिल्ली पुलिस से लाइसेंस और गैर आपत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त करने की जरूरत अब नहीं है। हालांकि, अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अपलोड करना आवश्यक होगा। इस संबंध में दिल्ली सरकार ने आदेश जारी कर दिया है। इस मामले को लेकर सोमवार को निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में महापौर राजा इकबाल सिंह, स्थायी समिति की अध्यक्षा सत्या शर्मा और नेता सदन प्रवेश वाही ने प्रेसवार्ता कर इन सात सेवाओं के लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को लेकर जानकारी दी।

महापौर ने कहा कि इस नए आदेश से दिल्ली के हजारों व्यापारियों को राहत मिलेगी। इन सात सेवाओं से जुड़े व्यापारियों को निगम से ऑनलाइन माध्यम से स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस प्राप्त होगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इन सभी सात सेवाओं के लिए स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस प्राप्त करने के लिए निगम के भवन निर्माण नियमों के तहत दिल्ली अग्नि सेवा (डीएफएस) विभाग से फायर एनओसी प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

स्थायी समिति की अध्यक्षा ने कहा कि व्यापारियों को 60 दिन की समय अवधि के दौरान स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस आवेदन करने के बाद ऑनलाइन मिल जाएगा। इससे जुड़े सभी दस्तावेजों को ऑनलाइन जमा करना होगा। दिल्ली के विभिन्न होटल, रेस्तरां व अन्य व्यापारियों के अनुसार बीते छह वर्ष में पांच सौ से एक हजार तक सात सेवाओं के नए लाइसेंस दिल्ली पुलिस के समक्ष लंबित रहे। अब इन सभी को राहत मिल चुकी है। इन्हें अब सीधे निगम से लाइसेंस मिल जाएगा।

लाइसेंस का नवीनीकरण करने वालों को भी राहत

अधिकारियों ने बताया कि इस नए फैसले से सातों सेवाओं के नए स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस जारी करने के साथ उनके नवीनीकरण करने की भी सुविधा मिलेगी। लाइसेंस के नवीनीकरण को लेकर भी अब व्यापारियों को दिल्ली पुलिस के समक्ष लाइसेंस लेने के लिए जाने की जरूरत नहीं होगी।

व्यापारियों को बड़ी राहत

दिल्ली के व्यापारियों ने बताया कि इस फैसले से दिल्ली में दस हजार से अधिक रेस्तरां, पांच सौ डिस्को, दो सौ से अधिक स्विमिंग पूल, सौ से अधिक ऑडिटोरियम, 40 से अधिक अम्यूजमेंट पार्क के व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। दिल्ली होटल महासंघ के महासचिव पवन मित्तल ने बताया कि इस फैसले से दिल्ली के दो हजार होटल, गेस्ट हाउस और मोटल को बहुत बड़ी राहत मिलेगी।

इन दस्तावेजों को करना होगा अपलोड

निगम से स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस प्राप्त करने से पहले इन सेवाओं के व्यापारियों को दिल्ली अग्नि सेवा विभाग से फायर एनओसी और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति डीपीसीसी से एनओसी, मालिक का ओनरशिप सर्टिफिकेट, साइट प्लान, मालिक घर का प्रमाण जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, जीएसटी पंजीकरण प्रमाणपत्र, स्टाफ के मेडिकल सर्टिफिकेट, पेस्ट कंट्रोल सर्टिफिकेट, सीसीटीवी सर्टिफिकेट ऑनलाइन निगम वेबसाइट में अपलोड करने होंगे।

पेज एक का शेष...

मुख्यमंत्री ने मध्य क्षेत्रीय परिषद...

भी आग्रह किया। उन्होंने राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना के केंद्रीय अनुदान का आवंटन एकमुश्त किये जाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कुशल संचालन हेतु अतिरिक्त सहयोग प्रदान करने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अध्ययन के लिए राज्य में एक उच्चस्तरीय ग्लेशियर अध्ययन केंद्र की स्थापना किये जाने और जैव विविधता संरक्षण संस्था की स्थापना के लिए भी केंद्र से तकनीकी सहयोग की मांग की। मुख्यमंत्री ने राज्य में साहसिक पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय साहसिक खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए सहयोग मांगा। उन्होंने उत्तराखण्ड में वर्ष 2026 में नंदा राजजात यात्रा और 2027 में कुम्भ मेले के सफल एवं भव्य आयोजन हेतु केंद्र सरकार से आवश्यक सहयोग प्रदान करने का भी आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 80 प्रतिशत पर्वतीय भू-भाग वाले उत्तराखण्ड राज्य का 71 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है। राज्य की जटिल भौगोलिक परिस्थिति तथा विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण राज्य की आर्थिक गतिविधियाँ सीमित हैं। इन प्रतिकूल परिस्थितियों एवं सीमित संसाधनों के बावजूद राज्य की अर्थव्यवस्था में लगभग डेढ़ गुना की वृद्धि हुई है। वर्ष 2023-24 में नीति आयोग द्वारा जारी एसडीजी रैंकिंग में उत्तराखण्ड ने प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ ही इस वर्ष जारी केयर एज रेटिंग रिपोर्ट में सुशासन एवं वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में छोटे राज्यों की श्रेणी में भी उत्तराखण्ड को दूसरा स्थान मिला है। राज्य में समान नागरिक संहिता, सख्त नकल विरोधी कानून, धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगारोधी कानून, भू-कानून बनाकर उत्तराखण्ड को समरस एवं सुरक्षित राज्य बनाने हेतु कार्य किये जा रहे हैं। वोकल फॉर लोकल, विरासत एवं संस्कृति, शिक्षा एवं कौशल, सहभागिता तथा आत्मनिर्भरता के सूत्रों को आत्मसात करते हुए प्रदेश के लगभग तीन लाख से अधिक युवाओं को स्वरोजगार के विभिन्न माध्यमों से जोड़ने की महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की गई है। उत्तराखंड को आयुष तथा वेलनेस हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य में देश की पहली ''योग नीति'' का शुभारंभ भी किया गया है।

आपातकाल के 50 सालः...

कि वे देश के अलग-अलग हिस्सों और विचारधाराओं से आए लोग थे, जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए सामूहिक रूप से संघर्ष किया। उनके संघर्ष ने सुनिश्चित किया कि तत्कालीन सरकार को चुनाव कराने पड़े और वे बुरी तरह हार गई।

उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी को संविधान के सिद्धांतों को मजबूत करने और एक विकसित भारत के निर्माण के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी की युवावस्था के अनुभवों और आपातकाल के दौरान उनके साथियों की भूमिका पर आधारित एक पुस्तक 'द इमरजेंसी डायरीज ख़ इयर्स दैट फोर्ज्ड ए लीडर' प्रकाशित की गई है। इस पुस्तक का विमोचन आज शाम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा द्वारा लिखी गई प्रस्तावना भी शामिल है।

असहाय बालिकाओं का...

का प्रयास है। जिलाधिकारी ने कहा की बेटी को सशक्त बनाने का नंदा सुनंदा एक ग्लोबल प्रयास है हम रहे ना रहे यह चलता रहेगा। उन्होंने बेटियों की हौसला बढाते हुए कहा कि आप अपनी शिक्षा की स्पार्क को जारी रखें आपकी शिक्षा का वहन जिला प्रशासन करेगा। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट नंदा सुनंदा निर्बल के द्वारा असहाय बालिकाएं जिनकी शिक्षा पारिवारिक मजबूरी के कारण छूट जा रही है उनको पुनर्जीवित कर उनके सपनों में उड़ान भरने तथा सुरक्षित भविष्य की नीव रखने का एक आधार है। उन्होंने कहा आप अपनी कड़ी मेहनत से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें, जिला प्रशासन आपका सहयोग करता रहेगा। इस अवसर पर उपस्थित बेटियों एवं उनके परिजनों ने डीएम का धन्यवाद दिया। बेटियों ने कहा थैंक्यू डीएम सर जैसे आपने हमारी शिक्षा जारी रखने में सहायता की हमारा प्रयास रहेगा की हम मेहनत कर जरूरतमंद की सहायता कर सकें।

महिलाओं की....

देना और महिलाओं के लिए विशेष तौर पर जारी 16.6 फीसदी के जेंडर बजट का अधिकतम व प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। नई महिला नीति के तहत सभी विभागों में जेंडर बजट सेल बनेगा, जिसकी शुरुआत हो चुकी है। नीति के जरिये यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जेंडर बजट का सदुपयोग उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य सभी क्षेत्रों में महिला उत्थान के लिए हो।

हाल में नई दिल्ली में केंद्र सरकार की ओर से आयोजित एक परामर्श कार्यक्रम में देश के पांच राज्यों को महिला कल्याण की योजनाओं पर प्रस्तुति का मौका मिला, सशक्तीकरण विभाग की टीम ने बताया कि पहाड़ के ग्रामीण व सुदूर क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन के हर पहलू में सकारात्मक बदलाव लाना, शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाना, सुरक्षित और अनुकूल वातावरण बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना और रोजगार के समान अवसर प्रदान करना राज्य महिला नीति के प्रमुख स्तंभ होंगे। इसके अलावा महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और न्याय दिलाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

तीनों पाकिस्तानी, एनआईए की पूछताछ में बड़ा खुलासा

जारी किए गए स्केच से अलग हैं पहलगाम के हमलावर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी को बड़ा सुराग मिला है। जांच एजेंसी ने कहा है कि हमले को अंजाम देने वाले तीनों आतंकी पाकिस्तान के रहने वाले थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। दो कश्मीरी नागरिकों परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर की गिरफ्तारी के बाद इसका खुलासा हुआ है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने हमलावरों को अपने घर में रहने की जगह, खाना और अन्य सहूलियतें मुहैया कराई। अंग्रेजी अखबार ने अपनी एक रिपोर्ट में एनआईए सूत्रों के हवाले से कहा है कि 20 अप्रैल की रात को तीनों आतंकी इन दोनों व्यक्तियों के घर पहुंचे थे। सूत्रों का कहना है,आतंकियों ने खाना मांगा, पैसा दिया और किसी को न बताने की धमकी भी दी। हमले के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जिन तीन संदिग्धों (हाशिम मूसा, अली भाई उर्फ तल्हा और आदिल हुसैन ठोकर) के स्केच जारी किए थे वे गलत साबित हुए हैं। जांच में सामने आया कि असली हमलावरों में से एक सुलेमान शाह है, जो पिछले साल एक सुरंग पर हुए आतंकी हमले का भी आरोपी है। इस

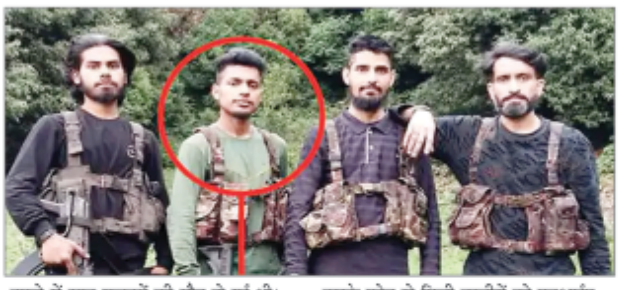

हमले में सात मजदूरों की मौत हो गई थी। उसका एक सहयोगी मारा जा चुका है। उसके फोन से मिली तस्वीरों को एनआईए ने संदिग्धों की पहचान के लिए इस्तेमाल किया। एनआईए और केंद्रीय एजेंसियों ने हमले से पहले के दिनों की कई तस्वीरें परवेज और बशीर को दिखाई। उन्होंने पहचाना कि हमले से दो दिन पहले यही लोग उनके घर आए थे। अन्य चश्मदीदों ने भी इन तस्वीरों में दिख रहे आतंकियों की पुष्टि की है। आपको बता दें कि कश्मीर में हुए एनकाउंटर में मारे गए आतंकी जुनैद के फोन से ये तस्वीरें मिली थीं। जांच एजेंसियां अब पिछले हमलों (अगस्त 2023 के कुलगाम में तीन सैनिकों की हत्या, मई 2023 के पूंछ में वायुसेना जवान की हत्या) में भी सुलेमान शाह की संलिप्तता की जांच कर रही हैं। एनआईए ने दोनों स्थानीय नागरिकों को अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। प्रवक्ता के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमलावरों को जानबूझकर अपनी झोपड़ी में पनाह दी और उन्हें खाना, आश्रय और रसद सहायता दी। एनआईए ने जांच के दौरान पोनी ऑपरेटरों, दुकानदारों, फोटोग्राफरों समेत 200 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, परवेज की एक जान-पहचान पोनी ऑपरेटर से थी और दोनों की पत्नियों ने आपस में आतंकी के आने की चर्चा की थी।

न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं रोकेंगे, ईरान का 'ऐलान'

कहा-गैम्बलर ट्रंप ने जंग शुरू की,खत्म हम करेंगे

अब इजराइल का ईरानी परमाणु ठिकाने पर हमला

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने ईरान पर अपने ताजा हमले में फोर्डो न्यूक्लियर साइट को फिर से निशाना बनाया है। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि यह हमला ठीक उसी जगह किया गया, जहां रविवार सुबह अमेरिका ने बस्टर बम गिराए थे। इजराइली सेना ने सोमवार सुबह ईरान के छह एयरपोर्ट- मशहद, तेहरान, हमादान, देजफुल, शाहिद बखतरी और तबरीज पर भी ड्रोन हमले किए। इनमें ईरान के 15 फाइटर जेट और हेलीकॉप्टर नष्ट करने का दावा किया गया है। परमाणु ठिकानों पर

लगातार हमले के बीच ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम नहीं रोकेगा। ईरान की मिलिट्री सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फागरी ने कहा, गैम्बलर ट्रम्प, आपने युद्ध शुरू जरूर किया है, लेकिन इसे खत्म हम करेंगे। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान में तख्तापलट के मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा- अगर मौजूदा ईरानी सरकार ईरान को फिर से महान नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए।

ईरान अब अपने हिसाब से देगा जवाब

ईरान की सेना ने अमेरिका के हमलों का जवाब देने की धमकी दी है। ईरान सैन्य केंद्रीय कमान ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेते हुए कहा कि परमाणु ठिकानों पर हमलों ने युद्ध का मैदान खोल दिया है। आपने शुरुआत की है, तो अब कड़ी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रहिए। ईरानी सेना के मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने भी सख्त शब्दों में अमेरिकी हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इजरायल को रोकने के बजाय हमारे ऊपर हमले किए। ऐसा करते हुए अमेरिका ने ईरान को उसके हितों की रक्षा के लिए कोई भी कार्रवाई करने का विकल्प दे दिया है। ईरानी सेना के नए चीफ मेजर जनरल अमीर हातामी ने अमेरिका को करारा जवाब देने की चेतावनी दी है। अमीर हातामी ने कहा, हमने कई बार अमेरिका का सामना किया है। जब भी उन्होंने हम पर हमला करने की कोशिश की है, उन्हें कड़ा जवाब मिला है। हम इस बार भी खुशी के साथ लड़ेंगे। हातामी को हाल ही में ईरानी सेना के नए चीफ मेजर जनरल के पद पर नियुक्त किया गया है। ईरानी सेना ने अमेरिकी हमलों को उकसावे वाला बताते हुए जवाबी हमले की कसम खाई है। ईरानी सेना की यह टिप्पणी ईरान के तीन प्रमुख परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिका के हवाई हमलों के बाद आई है।

विधानसभा उपचुनाव में 4-1 से आगे रहा इंडिया गठबंधन

एएपी को मिल गई गुड न्यूज,भाजपा को लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के वोटों की गिनती खत्म हो गई है। परिणामों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा रहे दलों ने 4 सीटों पर जीत हासिल की है, वहीं भाजपा को सिर्फ गुजरात की कड़ी सीट पर जीत मिली है। अब तक आए परिणामों के अनुसार आम आदमी पार्टी को गुजरात की विसावदर सीट पर जीत मिली है। यहां से उसके कैंडीडेट गोपाल इटालिया जीत गए हैं तो वहीं पंजाब की लुधियाना पश्चिमी विधानसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार संजीव अरोड़ा

ने भी जीत हासिल की है। आम आदमी पार्टी के लिए गुजरात की विसावदर सीट से जीत अहम है। यहां 2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के ही भूपेंद्र भयानी जीते थे, लेकिन उन्होंने इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन कर ली थी। ऐसे में यह चुनाव इस बात का टेस्ट था कि अब भी एएपी का यहां क्रेज है या नहीं। पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट पर भी भाजपा को झटका लगा है। यहां से सत्ताधारी दल टीएमसी ने जीत हासिल की है। वहीं केरल की नीलांबर सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल कर ली है। इस तरह 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में से 4 पर विपक्षी इंडिया अलायंस से जुड़े दलों को जीत मिली है। केरल की नीलांबर सीट से कांग्रेस के आर्यदन शौकत 11 हजार वोटों से जीत गए हैं। सीपीएम 6660 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रही। तीसरे स्थान पर एक निर्दलीय उम्मीदवार है, जबकि भाजपा कैंडीडेट मोहन जॉर्ज को सिर्फ 8648 वोट ही मिले हैं और वह चौथे नंबर पर हैं। भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले गुजरात में एक जीत मिली है।

शशि थरूर ने कांग्रेस को दिया एक और झटका!

- **पीएम मोदी की खूब की तारीफ, बोले-वे भारत के लिए कर रहे हैं काम**

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ मुद्दों को लेकर पार्टी के साथ चल रहे कथित मतभेदों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की तारीफों के पुल बांधे हैं। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री की ऊर्जा, जोश और लोगों से जुड़ने की उनकी इच्छा, देश के लिए एक संपत्ति है। शशि थरूर ने ये बातें द हिंदू के लिए लिखे गए एक लेख में कही हैं। शशि थरूर ने इस लेख में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजे गए डेलिगेशन के अनुभव भी साझा किए हैं। उन्होंने इसे कूटनीति के स्तर पर बेहद सफल दौरा बताया है। शशि थरूर ने लिखा है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर के जरिए कड़ी प्रतिक्रिया दी, उतनी ही अहम भारत द्वारा भेजे गए डेलिगेशन के जरिए कूटनीतिक बातचीत भी थी।

और बढ़ेगी इंडियन नेवी की ताकत, अब कांपेंगे दुश्मन

गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल बेड़े में होगा शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के रूस में निर्मित गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल को 1 जुलाई को रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में नौसेना में शामिल किया जाएगा। गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल अनेक मिसाइलों और निगरानी प्रणालियों को ले जाने में सक्षम है।

अधिकारियों ने बताया कि जहाज में 26 प्रतिशत घटक स्वदेशी हैं, जिसमें समुद्र और जमीन दोनों पर निशाना साधने के लिए ब्रह्मोस लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल भी शामिल है।

भारतीय नौसेना के अनुसार, युद्धपोत आईएनएस तमाल 125 मीटर लंबा है और इसका वजन 3900 टन है। इस युद्धपोत में भारतीय और रूसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों व युद्धपोत निर्माण की सर्वोत्तम पद्धतियों का उपयोग किया गया है। नौसेना में शामिल होने के बाद तमाल भारतीय नौसेना की 'स्वॉर्ड आर्म' में शामिल हो जाएगा। स्वॉर्ड आर्म भारतीय नौसेना में पश्चिमी बेड़े के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक पद है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि युद्धपोत आईएनएस तमाल न केवल भारतीय नौसेना की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक होगा, बल्कि यह भारत-रूस साझेदारी की सहयोगी ताकत का भी उदाहरण पेश करेगा।

आईएनएस तमाल पिछले दो दशकों में रूस से भारतीय नौसेना में शामिल होने वाला क्रिवाक श्रेणी का 8वां युद्धपोत होगा। अधिकारियों ने बताया कि इस युद्धपोत का निर्माण कलिनिनग्राद स्थित यंतर शिपयार्ड में किया गया है।

संभालकर रखिए वोटर कार्ड! घर-घर जाकर होगी जांच

- **बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग का बड़ा ऐलान**

पटना (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन के दौरान घर-घर जाकर गहन सत्यापन करने की योजना बनाई है। जानकारी के मुताबिक कई सिविल सोसाइटी संगठनों, राजनीतिक दलों और अन्य लोगों ने वोटर लिस्ट में नामों को शामिल करने और हटाने पर सवाल उठाए थे। चुनाव आयोग पर बीजेपी की मदद करने के भी आरोप लगाए गए थे। ऐसे में

बिहार चुनाव से पहले ईसीआई ने यह बड़ा फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरी प्रक्रिया का पालन करने और नियमों के मुताबिक नामों को शामिल करने और हटाने के बाद भी चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं। कांग्रेस समेत कई दलों ने आयोग पर भाजपा की मदद करने के लिए आंकड़ों में हेराफेरी करने का आरोप लगाया है।

राज्यपाल ने पंचमुखी हनुमान मन्दिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया

देहरादून(राजभवन कार्यालय)।राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मंगलवार को धर्मपुर, देहरादून स्थित पंचमुखी हनुमान मन्दिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राज्यपाल ने संकट मोचन श्री हनुमान से प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की। इस अवसर पर प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर भी उपस्थित रहीं।

भारत के पास अब केवल 2 ऑप्शन हैं, अमित शाह के बयान से बौखलाए बिलावल ने दी युद्ध की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने भारत को एक और खोखली धमकी देते हुए कहा कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत इस्लामाबाद को पानी का उचित हिस्सा देने से इनकार कर दिया तो उनका देश युद्ध की ओर बढ़ जाएगा। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की।

अमित शाह ने सिंधु जल संधि को बहाल न करने की घोषणा की

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 के समझौते को स्थगित कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले सप्ताह ऐतिहासिक समझौते को कभी बहाल न करने की घोषणा की थी। बिलावल की यह टिप्पणी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा शाह की अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के प्रति बेशर्मी से उपेक्षा

की आलोचना के दो दिन बाद आई है।

बिलावल ने सिंधु जल संधि पर भारत के फैसले को खारिज किया

बिलावल भुट्टो ने संसद में दिए भाषण में समझौते को निलंबित करने के भारत के फैसले को खारिज किया और पाकिस्तान के हिस्से का पानी लेने की धमकी दी। उन्होंने सिंधु बेसिन की छह नदियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के पास दो विकल्प हैं- पानी को उचित तरीके से साझा करें या हम सभी छह नदियों से पानी अपने पास पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि अभी भी प्रचलन में है क्योंकि समझौते को स्थगित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि सिंधु (सिंधु नदी) पर हमला और भारत का दावा कि सिंधु जल संधि समाप्त हो गई है और स्थगित है। सबसे पहले, यह अवैध है, क्योंकि सिंधु जल संधि स्थगित नहीं है, वह पाकिस्तान और भारत पर बाध्यकारी है, लेकिन पानी रोकने की धमकी ही संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार अवैध है।

बिलावल की युद्ध की एक और खोखली धमकी

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो ने भी धमकी दी कि अगर भारत ने धमकी पर अमल करने का फैसला किया तो हमें फिर से युद्ध छेड़ना पड़ेगा। पूर्व विदेश मंत्री ने बातचीत और सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला, खासकर आतंकवाद विरोधी प्रयासों में। उन्होंने कहा कि अगर भारत और पाकिस्तान बातचीत करने से इनकार करते हैं और अगर आतंकवाद पर कोई समन्वय नहीं होता है, तो दोनों देशों में हिंसा और बढ़ेगी।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक दिनेश एस त्रिखा द्वारा विभोरवार्ता आफॅसेट 2 स्टेशन रोड, सहारनपुर रोड देहरादून उत्तराखण्ड से मुद्रित कर 27 गुरूद्वारा रोड ज्वालापुर हरिद्वार उत्तराखण्ड से प्रकाशित। RNI NO.UTTHIN/2009/29251 प्रधान सम्पादक दिनेश एस. त्रिखा-9837012330 सम्पादक: विभोर त्रिखा-09927012330